वर्ष-11 अंक-31 पृष्ठ-8 मूल्यः 3 रुपये

प्रयागराज, शनिवार 05 अप्रैल 2025

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

आधुनिक समाचार नेटर्वक

Download From Google Play

Adhunik Samachar

11 YEARS ANNIVERSARY

संक्षिप्त समाचार

जमानत अर्जी में आपराधिक इतिहास छिपाना सरासर धोखा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आपराधिक मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने वाले अपने इस फैसले में शीर्ष कोर्ट ने कहा कि अब हर जमानत याचिकाकर्ता को एसएलपी की शुरुआत में अपने आपराधिक मामलों की पूरी जानकारी देनी होगी। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि दाखिल किसी भी जमानत याचिका में यह स्पष्ट तौर पर लिखा जाए कि याचिकाकर्ता पर कोई आपराधिक मामला नहीं है। अगर कोई मामला है तो यह बताया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत याचिका या संभावित कार्रवाई से संरक्षण के लिए अर्जी दायर करने वालों की तरफ से अपने आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी न दिए जाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर गहरी नाराजगी जताई है। शीर्ष कोर्ट ने कहा, यह तो अदालत के साथ सरासर धोखा है। कोर्ट ऐसे मामलों में अतीत में उदारता दिखाता रहा है लेकिन अब समय आ गया है कि इस स्थिति को आगे जारी न रहने दिया जाएगा।जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने इस टिप्पणी के साथ महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाने का दोषी मानते हुए हत्या के एक आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि जमानत पाने या गिरफ्तारी से बचने के लिए विशेष अनुमति याचिकाओं में आपराधिक मामलों का खुलासा न करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। उनके आपराधिक इतिहास के बारे में कई बार पता तभी चलता है जब जमानत या अग्रिम जमानत याचिकाओं पर राज्य की तरफ से जवाबी हलफनामा दिया जाता है। उक्त मामले में याचिकाकर्ता मुन्नेश को 26 मई 2018 को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत दर्ज एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। उसके खिलाफ मुकदमे की कार्यवाही जारी है और अभियोजन पक्ष कुछ गवाहों के बयान भी दर्ज कर चुका है। मुन्नेश की जमानत याचिका को पूर्व में इलाहाबाद हाईकोर्ट की तरफ से जारी किया जा चुका था। इसके बाद उसने अनुच्छेद 136 के तहत सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दाखिल की थी।

नौसेना कमांडरों के सम्मेलन का रक्षामंत्री राजनाथ करेंगे उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज नौसेना कमांडरों के सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। यह सम्मेलन नौसेना कमांडरों के बीच की नई दृष्टि 'महासागर' की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य चीन के क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने के प्रयासों को रोकना है। इस मौके पर रक्षा मंत्री प्रोजेक्ट सीबर्ड के तहत कई समुद्री बुनियादी

महत्वपूर्ण रणनीतिक, परिचालन और प्रशासनिक मुद्दों पर विचार-विमर्श की सुविधा प्रदान करने वाला शीर्ष स्तरीय द्विवार्षिक कार्यक्रम है।इस साल नौसेना कमांडरों के सम्मेलन का पहला चरण शनिवार को कर्नाटक के कारवार में आयोजित होगा। नौसेना के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण आधार पर इसका आयोजन होगा। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हिंद महासागर पोत -आईओएस सागर को हरी झंडी दिखाएंगे। एक वरिष्ठ नौसेना अधिकारी ने शुक्रवार को कहा, यह पहल हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) के देशों के साथ सहयोग और भारत की महासागर (म्यूचुअल एंड होलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्योरिटी एक्रॉस द रीजन) दृष्टिकोण को बढ़ावा देगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च में मॉरिशस यात्रा के दौरान वैश्विक दक्षिण के लिए सुरक्षा और विकास ढांचे और सहायता सुविधाओं का उद्घाटन भी करेंगे। उन्हें नौसेना की परिचालन तैयारियों और भविष्य की योजनाओं से भी अवगत कराया जाएगा। प्रोजेक्ट सीबर्ड के तहत करवार में महत्वपूर्ण नौसैनिक अड्डे का विस्तार किया जा रहा है।नौसेना कमांडर सम्मेलन दो चरणों में होगा। पहला चरण 5 अप्रैल को कारवार में और दूसरा चरण 7 से 10 अप्रैल तक नई दिल्ली में होगा। यह शीर्ष स्तर का द्विवार्षिक आयोजन है, जहां नौसेना के वरिष्ठ कमांडर रणनीतिक, परिचालन और प्रशासनिक मुद्दों पर चर्चा करते हैं। अधिकारी ने कहा, यह सम्मेलन हिंद महासागर क्षेत्र में भारत को पसंदीदा सुरक्षा साझेदार के रूप में स्थापित करने और क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा व स्थिरता में भारतीय नौसेना के योगदान को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पीएम मोदी के नेतृत्व में बिम्सटेक को मिल रही नई गति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बिम्सटेक को नई दिशा

और रफ्तार मिली है। भारत इस संगठन के लिए रीढ़ बनकर उभरा है, जो न सिर्फ सुरक्षा जैसे अहम क्षेत्रों का नेतृत्व करता है, बल्कि एक्ट ईस्ट नीति के जरिए दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ गहरे संबंध भी स्थापित कर रहा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिम्सटेक को नई गति मिल रही है। इसकी स्थापना भले 1997 में हुई थी लेकिन इस समूह को असली गति 2016 के बाद मिली जब प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में गोवा में 'लीडर्स रिट्रीट' के लिए बिम्सटेक देशों को आमंत्रित करने की विशेष पहल की। इसके बाद, उन्होंने इस समूह को मजबूत करने और इसके माध्यम से बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग पर व्यक्तिगत और विशेष ध्यान दिया है।2019 में, उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोह में बिम्सटेक देशों के प्रमुखों को आमंत्रित किया। बिम्सटेक समूह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए भारत के नेतृत्व पर निर्भर है।

योग्य उम्मीदवारों को अलग करने के लिए समिति बनाने का सुझाव, टीएमसी ने तंज कसते हुए किया खारिज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अभिजीत गंगोपाध्याय ने सीएम से अपील करते हुए कहा कि 'राजनीति से ऊपर उठें, मेरा दीदी से विनम्र निवेदन है कि वे समिति गठित करने की पहल करें। जहां तक मेरी समझ है और मेरा अनुभव है, ये संभव है कि जो योग्य उम्मीदवार हैं, उनकी नौकरी बच सकती है।न्यायाधीश से भाजपा के टिकट पर सांसद बने अभिजीत गंगोपाध्याय ने ममता बनर्जी की सरकार को सुझाव दिया है कि एडवोकेट जनरल और वकीलों को शामिल कर सीएम एक समिति बनाएं, जो ये पहचान कर सके कि योग्य उम्मीदवार कौन से हैं ताकि उनकी सेवाएं जारी रखी जा सकें। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में अपने एक फैसले से राज्य के 25 हजार से ज्यादा शिक्षकों की भर्ती को निरस्त कर दिया था। इसे लेकर बंगाल की राजनीति गरमाई हुई है। भाजपा सांसद और कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व जज अभिजीत गंगोपाध्याय ने सुझाव दिया कि समिति का अध्यक्ष राज्य के शिक्षा मंत्री को बनाया जाए। साथ ही समिति में स्कूल सर्विस

आयोग के अध्यक्ष और खुद उन्हें भी शामिल किया जा सकता है। पूर्व जज ने ये भी कहा कि इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका भी दायर की जा सकती है। हालांकि सत्ताधारी टीएमसी ने भाजपा सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय का सुझाव खारिज कर दिया है और कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब इसका कोई समाधान नहीं हो सकता। अभिजीत गंगोपाध्याय ने सीएम से अपील करते हुए कहा कि 'राजनीति से ऊपर उठें, मेरा दीदी से विनम्र निवेदन है कि वे समिति गठित करने की पहल करें। जहां तक मेरी समझ है और मेरा अनुभव है, ये संभव है कि जो योग्य उम्मीदवार हैं, उनकी नौकरी बच सकती है।' तामलुक सीट से भाजपा सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय ने सुझाव दिया कि शीर्ष वकील और सीपीआईएम के राज्यसभा सांसद बिकास रंजन भट्टाचार्य और कुअ अन्य शीर्ष वकील भी समिति का हिस्सा बनाए जा सकते हैं। अभिजीत गंगोपाध्याय के सुझाव को खारिज करते हुए टीएमसी सांसद कल्याण बंदोपाध्याय ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब इस मामले में कुछ नहीं हो सकता। अब जो सुप्रीम कोर्ट ने कहा है उसी के अनुसार आगे कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने कहा कि एक दिन पहले गंगोपाध्याय सीएम का इस्तीफा मांग रहे थे और आज समिति बनाने की बात कह रहे हैं। यह राजनीतिक हित साधने के अलावा कुछ नहीं है।

राभा हसोंग स्वायत्त परिषद चुनाव में एनडीए की बड़ी जीत, 36 में से 33 सीटें मिलीं, सीएम बोले- फिर भगवा लहर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। असम के राभा हसोंग स्वायत्त परिषद चुनाव में एनडीए ने 36 में से 33 सीटों पर जीत हासिल एनडीए ने 36 में से 33 सीटों पर जीत हासिल की है। मुख्यमंत्री ने लिखा, 'असम में एक और भगवा लहर! राभा हसोंग स्वायत्त परिषद

की। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने इसे 'एक और भगवा लहर' बताया और आदिवासी समुदाय के लिए पीएम नरेंद्र मोदी नीतियों का समर्थन करने के लिए जनता का धन्यवाद किया असम में एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को बड़ी जीत मिली है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को एक ट्वीट कर जानकारी दी कि राभा हसोंग स्वायत्त परिषद के चुनाव में की जनता को दिल से धन्यवाद, जिन्होंने एकजुट होकर प्रधानमंत्री मोदी की जनकल्याणकारी नीतियों का समर्थन किया, खासकर आदिवासी समुदायों के लिए। एनडीए ने 36 में से 33 सीटों पर जीत दर्ज की है।' राभा हसोंग स्वायत्त परिषद असम के राभा समुदाय के लिए बनाई गई एक स्थानीय स्वशासी संस्था है, जो विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी विकास से जुड़ी योजनाओं को लागू करती है।

तमिलनाडु में नीट का विरोध तेज, डीएमके नेता टीकेएस एलंगोवन बोले- केंद्र सरकार के खिलाफ लड़ेंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

तमिलनाडु। तमिलनाडु में नीट का विरोध हो रहा है। सीएम एमके स्टालिन ने नीट के विरोध में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। मामले में डीएमके नेता टीकेएस एलंगोवन तक करेंगे, जब तक केंद्र सरकार हमारी मांगें नहीं मान लेती है। विधानसभा में स्टालिन ने कहा कि नीट केवल शहरी छात्रों और अमीरों के लिए है। यह सामाजिक न्याय के खिलाफ है। नीट लागू होने के

ने कहा कि हम सरकार के खिलाफ लड़ेंगे। तमिलनाडु में नीट का विरोध तेज हो गया है। सीएम एमके स्टालिन ने नीट को समाप्त करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इसे लेकर डीएमके के नेता टीकेएस एलंगोवन का कहना है कि हम सरकार के खिलाफ लड़ेंगे और नीट को हटाएंगे।एलंगोवन ने कहा कि नीट के चलते कई बच्चे आत्महत्या कर रहे हैं। इसका नुकसान यह है कि 12वीं कक्षा के शीर्ष स्कोरर पैसे की कमी के कारण पर्याप्त अंक नहीं ला पाते और इसलिए कोचिंग करते हैं और आत्महत्या कर लेते हैं। हमारे पास 12वीं कक्षा में अच्छे अंक लाने वाले बच्चों को मेडिकल कॉलेज में प्रवेश देने की अलग प्रणाली है। लेकिन नीट ने छात्रों को मनोवैज्ञानिक रूप से प्रभावित किया है। इसलिए सर्वदलीय बैठक बुलाई जा रही है। हम सरकार के खिलाफ लड़ेंगे और नीट को खत्म करेंगे। शुक्रवार को तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा था कि नीट को खत्म करने का विरोध हम तब बाद गरीब और गांव के छात्र कोचिंग में नहीं जा पाएंगे और उनका मेडिकल का सपना पूरा नहीं होगा। नीट गांवों में चिकित्सा सेवा को प्रभावित करेगी। यह केवल शहरी और अमीर छात्रों के लिए है। यह सामाजिक न्याय के खिलाफ है। स्टालिन ने कहा कि हमने नीट की समीक्षा के लिए समिति बनाई है। नीट के खिलाफ एक प्रस्ताव भी पारित किया, लेकिन केंद्र ने हमारे अनुरोध को खारिज कर दिया। स्टालिन ने कहा कि सरकार ने इस मुद्दे की समीक्षा के लिए एके राजन की अध्यक्षता में समिति बनाई है। विधानसभा ने नीट के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किया। लंबे समय बाद भी सरकार ने इसे मंजूरी नहीं दी और इसे पुनर्विचार के लिए वापस भेज दिया। केंद्र सरकार ने तमिलनाडु को नीट के लिए छूट देने से मना कर दिया है। अब 9 अप्रैल को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है। राज्य सरकार नीट के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगी।

गर्भवती महिला को भर्ती करने से इनकार का मामला, सीएम फडणवीस ने जताई नाराजगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय ने भी बयान जारी किया, जिसमें कहा गया है कि सीएम इस घटना को लेकर गंभीर हैं और उन्होंने चैरिटी के जॉइंट कमिश्नर को भर्ती करने से इनकार के बाद परिजन उसे दूसरे अस्पताल लेकर गए, लेकिन जुड़वां बच्चों को जन्म देने के बाद महिला की मौत हो गई। गौरतलब है कि पुणे के दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल ने एक गर्भवती

की अध्यक्षता में एक जांच समिति बनाने का आदेश दिया है। महाराष्ट्र के पुणे में एक गर्भवती महिला को अस्पताल में भर्ती करने से इनकार करने का मामला तूल पकड़ गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना पर नाराजगी जताते हुए इसे अस्पताल की असंवेदनशीलता बताया और जांच के आदेश दिए हैं। सीएम ने जांच के लिए एक जांच समिति गठित की है। दरअसल अस्पताल द्वारा महिला महिला को भर्ती करने से इनकार कर दिया। महिला के परिजनों का आरोप है कि 10 लाख रुपये जमा कर पाने में असमर्थता के चलते अस्पताल ने इलाज से मना कर दिया। हालांकि अस्पताल प्रशासन ने इन आरोपों को गलत बताया है। शुक्रवार को इस मुद्दे पर कुछ राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन भी किया। जिस महिला की मौत हुई है, उसका पति भाजपा एमएलसी अमित गोरखे का निजी सचिव है। ऐसे में भाजपा एमएलसी ने भी अस्पताल प्रशासन पर आरोप लगाए हैं। शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय ने भी बयान जारी किया, जिसमें कहा गया है कि सीएम इस घटना को लेकर गंभीर हैं और उन्होंने चैरिटी के जॉइंट कमिश्नर की अध्यक्षता में एक जांच समिति बनाने का आदेश दिया है। इस समिति में कानून और न्याय विभाग के डिप्टी सचिव और अंडर सेक्रेटरी भी सदस्य होंगे। साथ ही मुख्य सचिव को निर्देश दिए गए हैं कि न्याय विभाग और चैरिटी कमिश्नर ये सुनिश्चित करें कि चैरिटी मरीज योजना को उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार सभी चैरिटी अस्पतालों के लिए तैयार किया जाए। सभी चैरिटेबल अस्पतालों को चैरिटी हॉस्पिटल हेल्प डेस्क की मंजूरी जरूर लेनी चाहिए और अस्पतालों में गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए बेड आरक्षित रखे जाएं। सरकार ने चैरिटेबल अस्पतालों में 186 चैरिटेबल हेल्थ वर्कर्स की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। पत्रकारों से बात करते हुए सीएम फडणवीस ने कहा कि गर्भवती महिला को भर्ती करने से इनकार करना अस्पाल की असंवेदनशीलता है। इस घटना को लेकर लोगों में भारी नाराजगी है।

'भारत कुमार' सिर्फ एक नाम नहीं, जिम्मेदारी भी; उनका असाधारण व्यक्तित्व आम लोगों के लिए प्रेरणा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत कुमार' के नाम से मशहूर मनोज कुमार ने शुक्रवार सुबह साढ़े तीन बजे के आसपास अंतिम सांसें लीं। दोपहर बाद

विशाल टॉवर, जुहू में उनके अंतिम दर्शन किए गए। आज सुबह पवन हंस श्मशान घाट, जुहू में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।दिग्गज अभिनेता मनोज कुमार का बीते दिन मुंबई में निधन हो गया। उन्होंने 'पूरब और पश्चिम', 'रोटी कपड़ा और मकान' जैसी फिल्मों में उभरते भारत की तस्वीर से लेकर विभाजन के दर्द तक को बखूबी बयां किया। दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित अभिनेता मनोज कुमार ने एक बार कहा था, ‟मैं तो एक साधारण नागरिक हूं, लेकिन देशवासियों ने भारत कुमार का नाम देकर मुझ पर बड़ा उपकार किया है। भारत का यह जो ताज मुझे दिया गया है, उसे व्यक्तिगत जीवन में निभाना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।” खुद को साधारण नागरिक बताने वाले मनोज कुमार का असाधारण व्यक्तित्व न सिर्फ फिल्म जगत, बल्कि आम लोगों को भी हमेशा प्रेरित करता रहा है। 'शहीद', 'क्रांति' और 'उपकार' जैसी फिल्में आज भी लोगों में देशभक्ति का जोश जगा देती हैं। मनोज कुमार का जन्म 24 जुलाई, 1937 को अविभाजित भारत के एबटाबाद शहर (अब पाकिस्तान) में एक पंजाबी हिंदू परिवार में हुआ था और उस समय उनका नाम हरिकिशन गिरि गोस्वामी रखा गया था। विभाजन के समय उनका परिवार पाकिस्तान छोड़कर भारत आ गया और उन्होंने कुछ माह दिल्ली के शरणार्थी कैंप में भी गुजारे। 1957 में फिल्म 'फैशन' में एक छोटी-सी भूमिका के साथ उन्होंने रुपहले परदे पर कदम रखा। फिर सहारा (1958), चांद (1959) और हनीमून (1960) जैसी फिल्मों में दिखे, लेकिन कोई खास कमाल नहीं दिखा सके। 1965 में आई उनकी देशभक्ति फिल्म 'शहीद' न केवल बॉक्स ऑफिस पर हिट रही, बल्कि इसने आलोचकों को भी जवाब दिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री से भी उनको प्रशंसा मिली।'उपकार' मनोज कुमार के निर्देशन में पहली फिल्म थी। 1967 में आई इस फिल्म का गाना 'मेरे देश की धरती...' बेहद लोकप्रिय हुआ था। 1960 और 1970 के दशक में उनकी फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर बोलबाला रहा। उन्होंने 'पूरब और पश्चिम', 'रोटी कपड़ा और मकान' जैसी फिल्मों में उभरते भारत की तस्वीर से लेकर विभाजन के दर्द को बखूबी बयां किया। 'पूरब और पश्चिम' यूके में भी रिलीज की गई, जहां इसने 50 सप्ताह से अधिक समय तक थिएटर में लगे रहने का रिकॉर्ड बनाया था।

2060 तक सालाना 100 करोड़ टन पैदा होगा प्लास्टिक कचरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक कचरा 2060 तक 35.3

करोड़ टन से बढ़कर 101.4 करोड़ टन हो सकता है, जिससे पर्यावरण, जीव-जंतुओं और इंसानों को गंभीर खतरा पैदा हो जाएगा। माइक्रोप्लास्टिक फसलों, पानी, हवा और इंसान के फेफड़ों में पहुंचकर स्वास्थ्य पर भी असर डाल सकता है। आने वाले दशकों में प्लास्टिक कचरे की मात्रा खतरनाक स्तर पर पहुंच सकती है। 2019 में जहां वैश्विक स्तर पर हर साल 35.3 करोड़ टन प्लास्टिक कचरा पैदा हो रहा था, वह 2060 तक तीन गुना बढ़कर 101.4 करोड़ टन हो सकता है। यह चौंकाने वाले आंकड़े आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओआईसीडी) की रिपोर्ट 'ग्लोबल प्लास्टिक आउटलुक : पॉलिसी सिनेरियोज टू 2060' में सामने आए हैं।रिपोर्ट के अनुसार इस कचरे का लगभग आधा हिस्सा लैंडफिल में डंप किया जाता है।

बौद्ध धर्म को प्रमुखता दे सद्भाव कायम कर रहे पीएम, सांस्कृतिक कूटनीति से मजबूत हो रही भारत की भूमिका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बौद्ध धर्म को वैश्विक सद्भाव का थाईलैंड यात्रा के दौरान वाट फो मंदिर में लेटे बुद्ध के दर्शन किए। वह श्रीलंका के अनुराधापुरा में

सेतु बना रहे हैं। भारत ने बुद्ध अवशेष विदेश भेजकर साझा विरासत को जीवंत किया है और इससे सांस्कृतिक कूटनीति को नया बल मिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार अपनी विदेश नीति में बौद्ध धर्म को प्रमुखता देकर वैश्विक सद्भाव कायम कर रही है। पीएम मोदी का यह दृष्टिकोण उनकी कई विदेश यात्राओं में देखने को मिला। पीएम मोदी ने महाबोधि मंदिर भी जाएंगे।पीएम मोदी का यह दृष्टिकोण बौद्ध धर्म के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करता है। 2024 में भारत-आसियान शिखर सम्मेलन में, प्रधानमंत्री मोदी ने लाओस के राष्ट्रपति थोंगलाउन सिसोउलिथ को एक पुरानी पीतल की बुद्ध मूर्ति भेंट की, जो साझा विरासत और सांस्कृतिक कूटनीति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उसी वर्ष, भारत ने भगवान बुद्ध और उनके शिष्यों के कई पवित्र अवशेष थाईलैंड भेजे। भगवान बुद्ध और उनके शिष्यों, अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महा मोग्गलाना के अवशेषों को एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल लेकर बैंकॉक गया और थाईलैंड के चार शहरों में 25 दिनों तक प्रदर्शित किया गया। 2023 में, प्रधानमंत्री मोदी और जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने दिल्ली में बुद्ध जयंती पार्क में बाल बोधि वृक्ष का दौरा किया...इससे भारत और जापान के बीच बौद्ध संबंधों में गहराई आई। भारत ने पहले वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन की भी मेजबानी की, जिसमें समकालीन चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए विद्वान साथ आए पीएम मोदी ने शुक्रवार को नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से भी मुलाकात की और दोनों देशों तथा वहां के लोगों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, भारत नेपाल के साथ संबंधों को अत्यधिक प्राथमिकता देता है।

डाक पंजीयन नं.AD-326/2024-2026 -website:www.aadhuniksamachar.com- E-mail:-adhuniksamachar2024@gmail.com YouTube आधुनिक समाचार

अमृत ने पकड़ा नकली किताबो का मफ़िया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को एनसीईआरटी की लाखों रुपये मूल्य की नकली किताबें बरामद कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने दिल्ली से नकली किताबें छपवाकर प्रयागराज में बेचने की बात स्वीकार की है। पुलिस की पूछताछ में इस धंधे में कुछ और नाम सामने आए हैं। वहीं एनसीईआरटी के विभागीय अधिकारियों से भी संपर्क किया जा रहा है।एसीपी कोतवाली मनोज सिंह ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा एनसीईआरटी की नकली किताबें बेचने की शिकायत मिली थी। इस पर पुलिस टीम गठित कर शुक्रवार दोपहर अश्वनी मखीजा निवासी सत्तीचौरा मालवीय नगर को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर एनसीईआरटी की बड़ी संख्या में नकली किताबें बरामद की गईं। वहीं पूछताछ के आधार पर कृष्ण कुमार शर्मा निवासी रामानंद नगर अल्लापुर को भी पकड़ा गया।वह जीरो रोड व कटरा में किताब की दुकान संचालित करता है। उसके पास से भी नकली किताबें बरामद हुईं। दोनों आरोपियों के पास से कुल 476 नकली किताबें बरामद हुई हैं। दोनों आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि दिल्ली में नकली किताबों को छपवाते थे। इसके बाद प्रयागराज लाकर बेच देते थे। नकली किताबें हूबहू असली की तरह लगती थीं। इस वजह से कोई इसे पकड़ नहीं पाता था।नए शैक्षिक सत्र की शुरुआत के साथ ही प्रयागराज में कॉपी दुकानदार जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) विभाग के रडार पर आ गए हैं। स्टेट जीएसटी (एसजीएसटी) इन पर नजर रख रहा है, जो मनमाने दाम वसूल रहे हैं। विभाग का कहना है कि कॉपियों की बिक्री पर रसीद जारी करने और टैक्स जमा करने में अनियमितता पाई गई तो दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नया सेशन शुरू होते ही अभिभावक बच्चों के लिए कॉपियां और स्टेशनरी खरीदना शुरू कर दिए हैं। ज्यादातर कॉन्वेंट स्कूलों किताब और कॉपी विशेष दुकान से खरीदने के लिए दबाव बना रहे हैं। एक ही दुकान पर किताब और कॉपी खरीदनी है। कई दुकानदार बिना पक्की रसीद दिए ऊंचे दाम वसूल रहे हैं।एसजीएसटी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब ग्राहकों को दी जाने वाली रसीद के आधार पर टैक्स का आकलन किया जाएगा। अगर रसीद में दिखाए गए कलेक्शन और जीएसटी में जमा राशि में अंतर पाया गया, तो दुकानदारों पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। चौक, कटरा और सिविल लाइंस जैसे इलाकों में स्टेशनरी की दुकानों पर खास नजर रखी जा रही है। दरअसल, कई दुकानों में एक साथ कॉपी और किताब के साथ स्टेशनरी का सामान दिया जा रहा है, लेकिन बिल में सभी का उल्लेख नहीं है। जीएसटी चोरी का मामला सामने आया तो इस बार इन दुकानदारों पर टैक्स के साथ जुर्माना भी लगेगा।

अमृत जायसवाल चौकी प्रभारी बहादुरगंज प्रयागराज कोतवाली

औद्योगिक क्षेत्र में अवैध शराब की दुकान के विरोध में उद्योगपतियों की आपत्ति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा । सेक्टर-9 स्थित जंता शेड्स औद्योगिक क्षेत्र में अवैध रूप से दुर्गा मंदिर और मस्जिद के पास संचालित शराब की दुकान को लेकर उद्योगपतियों और स्थानीय व्यापारियों में भारी रोष है। एसोसिएशन ऑफ कॉमन फैसिलिटी एरियाज फॉर इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों ने इस संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री धर्मपाल सिंह, जिलाधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर इस दुकान को तत्काल बंद कराने की मांग की है। एसोसिएशन के महासचिव सतनारायण गोयल ने बताया कि यह औद्योगिक क्षेत्र 1973 से स्थापित है और यहां शराब की दुकान का खुलना औद्योगिक वातावरण को नकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा। इसके अलावा, इस शराब की दुकान के स्थान को लेकर भी गंभीर आपत्ति जताई गई है, क्योंकि यह दुकान एक प्राचीन दुर्गा मंदिर से मात्र 100 मीटर की दूरी पर स्थित है। नियमानुसार, किसी भी धार्मिक स्थल, शैक्षणिक संस्थान या अस्पताल के पास शराब की दुकान खोलना प्रतिबंधित होता है। उत्तर प्रदेश आबकारी नीति के तहत कम से कम 100 मीटर की दूरी तक ऐसे प्रतिष्ठानों के पास शराब की दुकान खोलने की अनुमति नहीं दी जाती। इस मामले में नियमों का उल्लंघन हुआ है, जिसके चलते इसे तुरंत बंद कराया जाना चाहिए। संस्था के अन्य पदाधिकारियों ने भी प्रशासन से अपील की है कि औद्योगिक क्षेत्रों में शराब की दुकानों को अनुमति न दी जाए और इस मामले में शीघ्र निर्णय लिया जाए। यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो उद्योगपति सामूहिक विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

नवरात्रि मेले में कलेक्टर के आदेश को ठेंगा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मैहर । मौके पर मौजूद रहे दो-दो कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं एक नायाब तहसीलदार और समिति के कर्मचारी एस बी सिंह भी दिखे बेबस नवरात्रि मेला के चलते वी आई पी दर्शन और वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई गई थी लेकिन उसके

बावजूद धड़ल्ले से नियमों का उल्लंघन निरंतर चल रहा है इस पर प्रशासन की चुप्पी भी बड़े सवाल खड़े कर रही है देखा जाए तो नवरात्रि मेला की तैयारी के पूर्व मैहर शारदा प्रबंधन समिति की अध्यक्ष मैहर कलेक्टर रानी बाटड एवं प्रशासनिक अधिकारियों के बीच बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए थे लेकिन उसके बावजूद एक भी नियम का पालन नहीं किया गया गर्भ ग्रह में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया था लेकिन उसके बावजूद आज गर्भ ग्रह में मनमर्जी से लोग घुस कर बैठ गए मंदिर पहाड़ी क्षेत्र में एमपी 20 पासिंग जबलपुर स्कॉर्पियो एन गाड़ी बिना किसी के परमिशन पर पहाड़ों पर चढ़ गई उस वहान पर एडिशनल एसपी श्रीमती दुबे जबलपुर एवं उनके पति आबकारी आयुक्त पहुंचे थे। उसके अतिरिक्त मंदिर गर्भ ग्रह में अन्य 6 से 7 लोग अतिरिक्त प्रवेश कर अपना अधिकार बता कर मन मर्जी प्रवेश कर रहे है देखा जा रहा है कि मंदिर प्रातः कालीन आरती में दर्जन भर लोग फर्जी आई कार्ड समिति का लगा कर ये अपने आप को समिति का कर्मचारी एवं महाभोग व्यवस्थापक बताते हैं । आज प्रातः काल मंदिर में के पूरे घटनाक्रम का मामला सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि किस तरह पुजारी जी के प्रवेश करने के बाद दर्शनार्थी और स्थानीय जनता दोनों चैनल गेटों को खोलते हुए धड़धड़ा क अंदर घुस गई जिसमें कई महिलाएं बच्चे भी शामिल थे सूत्रों की माने तो बताया जा रहा है कि इस तरह की घटना से भगदड़ की स्थिति भी निर्मित हो सकती थी। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी पब्लिक को नियंत्रित करने में जूझ रहे थे उनके काफी मशक्कत के बाद भीड़ पर नियंत्रण पाया गया।

छठव्रतियों ने की खरना की पूजा,4 अप्रैल को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद समापन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा । नोएडा अखिल भारत हिन्दू महासभा और अखिल भारतीय प्रवासी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया है कि आज चैत्र शुक्ल पंचमी को छठव्रतियों ने खरना(लोहन्डा) की पूजा की है।कल 3 अप्रैल चैत्र शुक्ल षष्ठी को अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य और 4 अप्रैल चैत्र शुक्ल सप्तमी को उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य प्रदान किया जायेगा। आज छठव्रतियों व श्रद्धालुओं ने सुबह के समय सर्वप्रथम अपने घरों और आस-पास की सफाई की।स्नान करके छठव्रतियों ने स्वयं रोटी, चावल का पिट्ठा, शक्कर का खीर,आदि प्रसाद बनाया।सभी प्रसाद मिट्टी के बर्तनों में बनाया जाता है।शाम के समय घर के अंदर अकेले व एकांत में बैठकर छठव्रतियों ने छठी मैया व भगवान भास्कर की पूजा की।उन्होंने मिट्टी की चुकड़ी, ढकना आदि में प्रसाद, कसेली, पान का पत्ता, कपूर,सिंदूर आदि रखकर दीपक जलाया और छठी मैया और भगवान भास्कर की पूजा की।पूजा के उपरांत छठव्रतियों ने स्वयं प्रसाद ग्रहण किया और घर के सभी सदस्यों, पड़ोसियों और मित्रगणों को भी प्रसाद खिलाया।इसी के साथ छठव्रतियों का 36 घण्टे का निर्जला उपवास व्रत शुरू हो गया।इस 36 घण्टे के उपवास में छठव्रती कोई खाना,पानी आदि कुछ ग्रहण नहीं करते हैं। बिना पानी के पूर्ण रूप से उपवास में रहते हैं। कल,3 अप्रैल को दिन में छठव्रतियों द्वारा गेहूं का आटा, घी और शक्कर का ठेकुआ तथा चावल, घी और शक्कर का लड्डू प्रसाद के लिए बनाया जायेगा।बांस के बने सूप, डाला, दौरा में सभी प्रकार का प्रसाद रखा जायेगा।प्रसाद के रूप में सेब, केला, नारंगी, अमरूद, डाभ सहित सभी प्रकार का फल,ईख, पानी में फलनेवाला सिंघाड़ा, मूली, सुथनी, सकरकंद,कच्चा नारियल, चीनी का बना साँचा, घर में बना ठेकुआ, लड्डू, कच्चा धागे का बना बद्धी, सिंदूर, कपूर,अगरबत्ती आदि रखा जाता है।सायं काल में सूर्यास्त से पूर्व छठव्रती और उनके परिवार के सदस्य सिर पर प्रसाद सहित सूप, डाला, दौरा लेकर श्रद्धालु घर से निकलकर छठघाट पर जायेंगे।छठव्रती घर से घाटों तक कष्टी देते जाते हैं।नदी, तालाब, कृत्रिम तालाब,तरणताल आदि छठघाट के रूप में प्रयोग में लाये जाते हैं।सूर्यास्त से पूर्व हाथ में प्रसाद रखा हुआ सूप, डाला, दौरा लेकर छठव्रती छठघाट में प्रवेश करेंगे और भगवान सूर्य को अर्घ्य प्रदान करेंगे।सभी उपस्थित श्रद्धालु भगवान भास्कर को जल द्वारा अर्घ्य प्रदान करेंगे।भगवान सूर्य को अर्घ्य सूर्यास्त से पूर्व दिया जायेगा। 4 अप्रैल को प्रातःकाल उगते हुए भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा।सूर्योदय से पूर्व छठव्रती और उनके परिवार के सदस्य सिर पर प्रसाद से भड़ा सूप,डाला और दौरा लेकर श्रद्धालु घर से छठघाट पर आयेंगे। सूर्योदय होते ही छठव्रती घाट में प्रवेश कर और हाथ में प्रसाद से भड़ा सूप, डाला, दौरा आदि लेकर उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य प्रदान करेंगे।अन्य उपस्थित श्रद्धालु गौदूध से भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे।अर्घ्य अर्पित करने के उपरांत छठव्रती छठघाट पर बने सूर्यपिंड के निकट बैठकर भगवान भास्कर और छठमाता की पूजा-अर्चना करेंगे।पूजा के उपरांत छठव्रतियों द्वारा पारण किया जायेगा।छठव्रतियों द्वारा प्रसाद ग्रहण करने के बाद घर के सभी सदस्य, पड़ोसी और सभी लोग प्रसाद ग्रहण करेंगे।इसके साथ ही चार दिवसीय छठपूजा महापर्व का समापन हो जायेगा।

अखिल भारत हिन्दू महासभा और अखिल भारतीय प्रवासी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि छठपूजा करने से छठव्रतियों और उनके परिवार के सदस्यों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं और सभी कष्ट दूर हो जाते हैं।बिहार, पूर्वी उत्तरप्रदेश, झारखंड,बिहार से सटे हुए पश्चिम बंगाल के कई जिलों,हिंदुस्तान और दुनिया के सभी शहरों में छठ पर्व धूमधाम से मनाया जाता है।

मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी एवं वन मंडल के सीसीएफ राजेश कुमार राय ने किया उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मैहर । मैहर मध्य प्रदेश शासन वन विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के आदेश अनुसार दिनांक 7/5/2025 के परिपालन में आज दिनांक 1 अप्रैल को मैहर जिले बनने के बाद नवीन वन मंडल मैहर के गठन उपरांत मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने एवं राजेश कुमार राय मुख्य वनरक्षक रीवा व्रत रीवा मयंक चांदीवाल वन मंडल अधिकारी मैहर /सतना यशपाल मेहरा एस डी ओ मंडल अधिकारी मैहर डॉक्टर लाल सुधाकर सिंह उप वन मंडल अधिकारी सतना अभिषेक तिवारी उपवन मंडल अधिकारी चित्रकूट सतीश चंद्र मिश्रा वन परिक्षेत्र अधिकारी मैहर एवं अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति में वन मंडल मैहर के नवीन कार्यालय का उद्घाटन आज किया गया देखा जाए तो मैहर जिला बनने के बाद मैहर जिले में यह बड़ी सौगात मिली है जहां पर आईएफएस लेवल के अधिकारी मयंक चांदीवाल को अतिरिक्त प्रभार मैहर जिले का सोपा गया है आज से मयंक चांदीवाल मैहर जिले के वन मंडल अधिकारी होंगे आज उन्होंने मैहर जिले में वन मंडल अधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण किया इस अवसर पर मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने कहा कि मैहर जिला बनने के बाद लगातार मैहर जिले में नवीन वन मंडल अधिकारियों की नियुक्तियों को लेकर मुख्यमंत्री महोदय से निरंतर चर्चा की जा रही थी जिसके चलते आज मैहर जिले को यह बड़ी सौगात के रूप में नवीन वन मंडल उपलब्ध हुई है जल्द ही मैहर जिले के नवीन वन मंडल के लिए उपस्थित अधिकारियों के आवास एवं कार्यालय के निर्माण का कार्य भी जल्द पर कर लिया जाएगा मैहर जिले के नवीन वन मंडल बनने के बाद लगभग 60840 हेक्टेयर वन भूमि क्षेत्र मैहर जिले के अंतर्गत आएगी जिसमें मैहर में 20 बीट में 31523 हेक्टेयर वन भूमि क्षेत्रफल है अमरपाटन में 13 बीट में 18779 हेक्टेयर वन क्षेत्र है एवं मुकुंदपुर में 15 बीट में 10537 हेक्टेयर वन भूमि क्षेत्र शामिल है इसके साथ ही महाराजा मार्तंड सिंह जूदेव सफेद बाघ सफारी एवं चिड़ियाघर मुकुंदपुर भी शामिल है मैहर जिले के वन मंडल में करीब 160 पदों की नवीन नियुक्तियां की गई है जिसके साथ ही अब मैहर में 185 की संख्या में वन अधिकारी उपलब्ध होंगे ।

कमांडर वर्क इंजीनियर की हत्या का मामला, आईफोन, पिस्टल-तमंचा खरीदने के लिए कहां से आई रकम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। बमरौली स्थित वायु सेना के हाई सिक्योरिटी जोन में कमांडर वर्क इंजीनियर की हत्या को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस का दावा है कि कातिल ने पैसे की लालच में हत्या करने की बात कुबूली है। अब सवाल यह उठ रहा है कि वह आर्थिक तंगी से गुजर रहा था तो पिस्टल और महंगा आईफोन खरीदने के लिए उसके पास पैसे कहां से आए। कमांडर वर्क इंजीनियर सत्येंद्र नारायण मिश्र की हत्या के मामले में परिजनों की ओर से उठाई गई मांगों को लेकर फिलहाल कोई निर्णय नहीं हो सका है। उधर, हत्या से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं के संबंध में अब तक जानकारी सामने नहीं आ सकी है। हत्यारोपी सौरभ के पास आईफोन, पिस्टल-तमंचा खरीदने के लिए रकम कहां से आई, इसका भी पता नहीं चल सका है। खुलासे के दौरान पुलिस अफसरों ने बताया था कि आरोपी ने पूछताछ में कबूल किया है कि उसने 40 हजार रुपये में पिस्टल खरीदी थी। इसके साथ ही वारदात के दौरान एक तमंचा भी लेकर गया था। फिलहाल यह बात नहीं सामने आ सकी है कि पिस्टल खरीदने के लिए उसे रकम कहां से मिली। दरअसल, आरोपी एक साल पहले ही काम छोड़ चुका था। काम करने के दौरान भी वह मजदूरी ही करता था। उसके महंगे शौक थे और इसके चलते उसके खुद के लिए कमाए गए पैसे भी कम पड़ते थे। माता-पिता सफाईकर्मी थे और उनके पैसों से ही घर चला करता था। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि पिस्टल-तमंचा खरीदने के लिए उसके पास पैसे कहां से आए। मृतक के परिजनों की ओर से यह भी सवाल उठाया गया है कि रुपयों के लिए चोरी करने गया बदमाश 40 हजार की पिस्टल खरीदकर जाएगा, यह बेहद चौंकाने वाली बात है।डीसीपी नगर अभिषेक भारती का कहना है कि फिलहाल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। यह कार्रवाई अब तक सामने आए साक्ष्यों के आधार पर की गई है। विवेचना जारी है और जो साक्ष्य मिलेंगे, उसी आधार पर आगे भी कार्रवाई होगी।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

प्रदेश आस/पास

भारत

20 मई 2025 देशव्यापी हड़ताल की तैयारी को लेकर गौतमबुद्धनगर के मजदूर संगठनों ने की बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा मजदूरों के अधिकार और सुरक्षा छीनने वाले विनाशकारी 4 श्रम संहिताओं (लेबर कोड्स) को अविलंब रद्द करने की मांग को लेकर केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और स्वतंत्र क्षेत्रीय राष्ट्रीय फेडरेशनों व एसोसिएशनों के संयुक्त मंच के आह्वान पर 20 मई 2025 को होने वाली देशव्यापी आम हड़ताल को गौतम बुद्ध नगर में सफल बनाने के लिए नोएडा गौतम बुध नगर के मजदूर संगठनों के नेताओं की बैठक आज सेक्टर- 3, नोएडा पार्क में हुई। बैठक में हड़ताल को सफल बनाने के लिए व्यापक अभियान चलाने की योजना तय की गई साथ ही बैठक में इंटक नेता संतोष तिवारी, योगेंद्र चौहान, सीटू नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा, रामसागर, रामस्वार्थ, टीयूसीआई नेता उदय

चंद्र झा, एक्टू नेता अमर सिंह, प्रेम त्यागी, हिंद मजदूर सभा के नेता रितेश झा, एटक नेता मोहम्मद नईम, यूपीएलएफ नेता राम नरेश यादव, यूटीयूसी नेता नूर आलम ने उत्तर प्रदेश में भाजपा शासन के 8 साल पूरे होने पर उपलब्धियां के नाम पर मचाएं गए शोर सबका साथ सबका विकास के नारे पर प्रहार करते हुए कहा कि योगी सरकार ने अपने 8 साल के कार्यकाल में एक बार भी मजदूरों के वेतन में बढ़ोतरी नहीं किया है। जबकि महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है आज प्रदेश में मजदूरों का न्यूनतम वेतन 11000 रुपया से भी कम है इतने कम वेतन में मजदूर कैसे जिंदा रह पाएगा यह बात प्रदेश सरकार की समझ में क्यों नहीं आ रही है? योगी सरकार के शासनकाल में श्रम कानून के उल्लंघन के मामले बढ़ने से मजदूरों का उत्पीड़न- शोषण शीर्ष स्तर पर है! योगी सरकार के राज्य में पुलिस प्रशासन की निरंकुशता बढ़ी है! योगी सरकार ने प्रदेश के कामगारों के पक्ष में आज तक कोई ऐसा काम नहीं किया जिसे सरकार अपनी उपलब्धियां के रूप में गिना सके सबका साथ सबका विकास का नारा खोखला है! वक्ताओं ने कहा कि सरकार जिस दिन मजदूर विरोधी लेबर कोड़ों को लागू करेगी ।

हजारों किसानों ने ली भारतीय किसान यूनियन टिकैत की सदस्यता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से आज भारतीय किसान यूनियन टिकैत द्वारा नोएडा के झुंडपुरा गांव में सदस्यता अभियान चलाया गया। जिसमें युवा किसान नेता अमित अवाना के नेतृत्व में हजारों किसानों ने भारतीय किसान यूनियन टिकैत की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान सर्व समाज के लोगों ने कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। बता दे कि अमित अवाना इससे पहले भी कई संगठनों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा चुके है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंतराम तंवर ने की एवं संचालन संगठन के जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने किया। कार्यक्रम के शुभारंभ से पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक भाटी सहित सभी भाकियू के संस्थापक चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत के चित्र पर ज्योत प्रचलित कर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान किसान एकता संघ में एनसीआर अध्यक्ष की जिम्मेवारी छोड़कर आये झुंडपुरा निवासी सुरेश अवाना के पुत्र अमित अवाना ने अजय चौधरी, हीरा चौधरी, वरुण कुमार, डॉक्टर मनोज, मोहित शर्मा, बदल जाटव, विनोद चौधरी, अमित चौधरी, विकास अवाना, अनीश यादव सहित हजारों अन्य समर्थकों के साथ भाकियू टिकैत में आस्था रखते हुए सदस्यता ली। जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने किसान एकता संघ से आए सभी किसान साथियों को टोपी उढ़ा कर संगठन की सदस्यता दिलायी। ग्राम वासियों द्वारा सभी भाकियू पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं का पुष्पमाला एवं सम्मान की पगड़ी बांधकर ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया गया। जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने भाकियू परिवार में आए सभी नवनियुक्त सदस्यों का आभार व्यक्त कर उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी। इस मौके पर बेगराज नागर एंड पार्टी द्वारा मजदूर किसान देशभक्ति एवं महाभारत पर देहाती रागनियों का भी रंगारंग कार्यक्रम किया गया। इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुभाष चौधरी, एनसीआर अध्यक्ष परविंदर अवाना, श्रीपाल कसाना, रविंद्र भगतजी, जोगिंदर भड़ाना, समाजसेवी राजू राणा, विपिन प्रधान, संदीप अवाना, मनोज त्यागी, सुंदर बाबा, प्रवीण बाबा, रामवीर हवलदार, जगत अवाना, सचिन अवाना, संजय फौजी, शैलेश बेसोया, अनिल अवाना, सुनील भाटी, पार्थ गुर्जर, गजेंद्र रेक्सवाल, मनीष ठाकुर, संचित चौहान, अजय गुर्जर, हिमांशु चपराना, रोहित चपराना अन्य सैकड़ो भाकियू कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अल्पकालीन निविदा/कोटसन सूचना

कार्यालय ग्राम पंचायत मारकुण्डी **विकास खंड- राबर्ट्सगंज जिला सोनभद्र**

पत्रांक-मेमो/ग्रा0पं0 **दिनांक-04.04.2025**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मारकुण्डी में वित्तीय वर्ष 2025-26 मे मनरेगा/राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त/SLWM/SBG/RGSA व अन्य निधियों से प्राप्त धनराशि से निमार्ण कराये जाने हेतु व्यापार कर विभाग आयकर में पंजीकृत फर्मो के द्वारा ग्राम पंचायत परिधि के अन्दर निम्न विवरणनुसार कार्यस्थल पर सामग्री आपूर्ति कराने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। ईंट प्रथम श्रेणी, सोलर लाईट,स्ट्रीटा लाईट, टैंकर क्रय, टैंकर मरम्मत बालू, डाला गिट्टी, सोलिंग गिट्टी, इंटरलॉकिंग ईट, सीमेंट पटिया, टीन शेड, ऐजबेस्टेस सीट, शौचालय निर्माण सामग्री, PVC पाईप बौल्डर, सरिया, स्टोन डस्ट, GSB, सोलर लाइट, चुनी-चोकर, भूसा,गुण, नमक, वाटर कूलर एवं आरो, हैडपंप सामग्री, हैडपंप रिबोर/बोर, पेन्टिग सामग्री, ई-रिक्शा, ढेला-गाडी, सफाईकर्मी , किट हयूम पाईप, लोहे का (दरवाजा, खिडकी,एंगल,पाईप), बिजली वायरींग सामग्री, समरसिवल पंप सोलर पंप, अन्य सामग्री। इच्छुक आपुर्तिकर्ता निविदा दिनांक 05.04.2025 सें 15.04.2025 तक ग्राम पंचायत कार्यालय पर 10.00 से 02.00 बजे तक जमा कर सकते हैं। जिसमें दिनांक 16.04.2025 को 02.00 बजे निविदा दाता उपस्थित रहना चाहतें है के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोला जायेगा।

प्रतिबंध और शर्तेः- 1- निविदा की सभी दरें कर सहित लोक निर्माण विभाग की स्वीकृत दर से अधिक नही होनी चाहिए। 2- जमानत धनराशी और अन्य जानकारी हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं। 3- खराब आपूर्ति की दशा में जमानत की राशि जब्त की जायेगी। 4- सशर्त निविदा स्वीकार्य नही की जायेगी। 5- बिना कारण बताये किसी भी समय निविदा निरस्त करने का अधिकर अधोहस्ताक्षरी का होगा।

ग्राम प्रधान-
विकास खंड-राबर्ट्सगंज, सोनभद्र

ग्राम पं0 सचिव मारकुण्डी
विकास खंड- राबर्ट्सगंज, सोनभद्र

सोनभद्र, मिर्जापुर

जरा झूम के कावरिया संघ की निकली मां वैष्णो पद यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। विगत 17 वर्षों से जरा झूम के कावरिया संघ द्वारा संचालित मां वैष्णो पद यात्रा नवरात्रि पंचमी को निकाला गया जिनमे हजारों भक्तगण लाल वस्त्र में नाचते झूमते कड़े शीतला मन्दिर अंबेडकर नगर राबट्र्सगंज से मां शीतला चौक मार्केट होते हुए मां वैष्णो डाला धाम के लिए गए मां वैष्णो पद यात्रा के अध्यक्ष जगदम्बा प्रसाद ने बताया की चैत्र नवरात्रि में हम लोगों का पदयात्रा 17 वर्षों से मां वैष्णो डाला धाम के लिए जाता है जिसमे रास्ते में मारकुंडी नीचे हम लोगों का भंडारा रात्रि को चलाया जाता है जिसमें सभी माता बहन भाई प्रसाद ग्रहण कर आगे के लिए प्रस्थान करते हैं हरियर चौरसिया मां वैष्णो पद यात्रा के संयोजक ने बताया कि माता रानी का जब तक आशीर्वाद हम लोग पर बना रहेगा तब तक हम लोग इस पदयात्रा को रुकने नहीं देंगे हर वर्ष पद यात्रा निकाला जाएगा जितेंद्र उमर वैश्य ने बताया कि हम मां वैष्णो से विनती करते रहते है की हमारे नगर में कोई विपदा ना आए जिससे सभी नगर वासियों पर माता रानी का आशीर्वाद बना रहें हम सब का कल्याण होता रहे इस मौके पर कमेटी के मुख्य सदस्य अमित जैसवाल, रणधीर कसौधन, प्रवीण कसौधन, अजय,राधेश्याम उमर,मनीष दुबे किशन उमर,मंगल उमर,अजीत मिश्रा, रवि मद्धेशिया , विजय गुप्ता,गोविन्द उमर, राजदेव यादव ,विशाल मौर्या , हिमांशु केशरी, विकास केशरी,गोपाल सेठ, सरस्वती देवी,जानकी देवी,ममतादेवी, सीता देवी,शारदा देवी, अमिता देवी, रीता देवी, रितेश सोनी गौरव विश्वकर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

देश-विदेश में गाजियाबाद का नाम रोशन करनी वाली शबा हैदर व हुमा को किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। अमेरिका में सीनेट का चुनाव जीतने वाली भारतीय मूल की शबा हैदर व ग्रीस में आयोजित इंटरनेशनल खेल प्रतियोगिता में भारत के लिए गोल्ड मैडल जीतने वाली हुमा का बुधवार को परमार्थ सेवा ट्रस्ट, हनुमान मंगलमय परिवार, सैल्यूट तिरंगा समेत कई अन्य संस्थाओं ने सामूहिक रूप से सम्मान समारोह आयोजित कर दोनों बेटियों को सम्मानित किया। आरडीसी स्थित कृष्णा सागर बैंक्वेट हाल में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान गाजियाबाद की दोनों बेटियों ने सामाजिक संस्थाओं द्वारा किए गए अभिनंदन पर आभार जताया। सतीश रावल जी महाराज के सानिध्य में आयोजित किए गए अभिनंदन समारोह में शबा हैदर के पिता एवं भाई तथा हुमा की बहन और अम्मी जान को भी सम्मानित किया गया। दोनों बेटियों को माता की चुनरी, फूलों की माला भेंट की गई। शबा हैदर ने अमेरिका में सीनेट के चुनाव जीतने के बारे में विस्तार से बताया कि किस तरह उन्होंने दूसरे मूल्क में जाकर वहां की राजनीति में प्रवेश किया और पहली बार चुनाव हारने के बाद दूसरी बार मिली सफलता से वे कितना खुश हैं। उन्होंने भारत की बेटियों का आह्वान किया कि वे अपनी प्रतिभा को पहचानें और आगे बढ़ें। आपके अंदर काबिलयत होगी तो बड़ी से बड़ी मुश्किल भी आपकी तरक्की के रास्ते में अवरोध नहीं बन सकती हैं। शबा हैदर ने कहा कि वे अमेरिका में भारतीय मूल के सभी लोगों व छात्रों की समस्याओं के समाधान के लिए कार्य करेंगी। उन्होंने कहा कि अजनबी मुल्क में जब उन्होंने प्रवेश किया था तब उन्हें लगा था कि वे यहां कैसे अपना मुकाम हासिल कर पाएंगी लेकिन उन्होंने योग की क्लास से सफर शुरू किया और आज अमेरिका में डूपेज काउंटी बोर्ड के चुनाव में शानदार तरीके से जीत दर्ज करने के बाद आपके बीच हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में योग बहुत जरूरी है। ग्रीस में इंटरनेशनल खेल प्रतियोगिता में गोल्ड मैडल जीतने वाली हुमा ने कहा कि यह क्षण मेरे लिए बहुत ही भावुक करने वाला है जब मुझे इतना सम्मान मिल रहा है। उन्होंने खेल की दुनिया में कदम रखने से लेकर और इंटरनेशनल खेल प्रतियोगिता में गोल्ड मैडल हासिल करने की यात्रा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए अपनी अम्मी जान को श्रेय दिया। दरअसल हुमा की अम्मी, शमां परवीन मार्शल आर्ट की टीचर हैं, उन्हीं की प्रेरणा और मार्गदर्शन से वे इस मुकाम तक पहुंची हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत परासी पाण्डेय वि0 ख0 राबट्र्सगंज सोनभद्र

पत्रांक-/मा0 आ0 2025-2026 दिनांक-05.04.2025

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचत किया जाता है कि ग्राम पंचायत परासी पाण्डेय विकास खंड राबट्र्सगंज सोनभद्र वित्तीय वर्ष 2025-26 मे मनरेगा/राज्य वित्त आयोग/पन्द्रहवा सोलहवा वित्त आयोग/एस0बि0 एम/आर0जी0एस0ए0 अत्येष्टि स्थल एवं अन्यशासकी योजना के अंतर्गत कराये जाने वाले निर्माण कार्य हेतु सामग्री की आपूर्ति की जानि है जिसके लिए निस्त्रवत निविदा प्रकाशित की जा रही है।

नोट- निविदा की शर्त निविदा फार्म के साथ संलगन है एवं ग्राम पंचायत कार्यालय पर चस्पा/उपलब्ध है जिसे ग्राम प्रधान/सचिव से प्राप्त कर सकते है।

1	कार्य की अनुमति लागत	विभिान कार्यो के लिए जी0एस0टी0 व अन्य कर सहित आगणन के अनुसार निर्धारित परियोजना लागत
2	आपूर्ति की अवधी	वित्तीय वर्ष 2025.2026
3	निविदा प्रपल का मूल्य	500 रू नगद
4	निविदा फार्म बिक्री व जमा करने की तिथि	दिनांक 05/04/2025 से दिनांक 10/04/2025 आप्र 04 बजे तक
5	निविदा फार्म बिक्री जमा करने का स्थान	ग्राम पंचायत कार्यालय. परासी पाण्डेय
6	निविदा खोले जाने की तिथि व स्थान	दिनांक 11/04/2025 को पर्ग0अप्रा 12 बजे ग्रा0 प0 कार्यालय
7	जमानत हेतु धरोहर की धनराशी 20,000/.	रू0 का किसी राष्टिक्रिति बैंक से एफ0डी0आर0 बिक ड्रॉपट ग्राम पंचायत के बंधक कर मूल पत्रि जमा करना अनिवार्य है

नियम व शर्तेः-

1. ग्राम पंचायत परासी पाण्डेय विकास एण्ड राबट्र्सगंज सोनभद्र मे पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवां वित्त आयोग/स्वस्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एवं अन्य शासकीय योजनान्तर्गत कराये जाने वाले निर्माण कार्य हेतु सामग्री की आपूर्ति की आपूर्ति।
2. निविदा मे दिया गया दर विभागीय दर से कम या अधिक प्रतिशत में उल्लेख करना अनिवार्य है।
3. निविदा के साथ फर्म का रजिस्ट्रेशन का प्रमाण पत्र, पैन नम्बर जीए0एस0टी0 नम्बर की छायाप्रति लगाना अनिवार्य है।
4. विगत वर्षो के आयकर रिटर्न की छाया प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
5. विगत पषो मे जमा किये गये जी0एस0टी0 विवरण की छाया प्रति संलग्न करना है
6. निविदा के साथ धरोहर की धनराशि की मूल प्रति जमा करना अनिवार्य है अन्यथा निविदा अस्वीकार कर दी जायेगी।
7. श्रोत पर कटौती के शासकीय आदेश के अनुसार कटौती किये जाने के पश्चात् शेष कर मजा किये जाने का उत्रदायित्व सम्बन्धित फर्म का होगा।
8. निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न समस्त प्रमाण पत्रों को निविदा दाता द्वारा स्व प्रमाणित होना अनिवार्य है।
9. निविदा दाता को जमा धनराशि पर कोई व्याज देय नही होगा।
10. निविदा दाता को इस आशय का सपथ पत्र देना होगा कि आपूर्तिकर्ता ग्राम प्रधान व ग्राम विकास अधिकारी का सगा सम्बन्धि अथवा रिश्तदार नही है।
11. जिलाधिकारी द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।
12. फर्म का ब्लैक लिस्टेड न होने का प्रमाण पत्र देना अनिवार्य है।
13. निविदा निविदा समिति के अधिकारी/सदस्यों की उपस्थिति मे खोला जायेगा एवं निरस्त करने का अधिकार बिना कारण बताये निविदा समिति के अध्यक्ष का होगा।
14. विवाद की स्थिति मे समस्त विवाद का निपटारा जनपद न्यायालय, सोनभद्र के अधिकार क्षेत्र में होगा।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत- परासी पाण्डेय
वि0ख0- राबट्र्सगंज सोनभद्र।

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत- परासी पाण्डेय
वि0ख0- राबट्र्सगंज सोनभद्र।

स्पोर्ट्स

तिलक आईपीएल में रिटायर्ड आउट होने वाले चौथे बल्लेबाज, सूर्यकुमार-हरभजन भी चौंके, हार्दिक ने दी सफाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मैच के दौरान मुंबई की पारी के 19वें ओवर की आखिरी गेंद से पहले अचानक तिलक रिटायर्ड आउट होकर अचानक पवेलियन लौटते दिखे। उस वक्त वह 23 गेंद में दो चौके की मदद से 25 रन बनाकर खेल रहे थे। इस फैसले ने सभी को चौंका दिया और सोशल मीडिया पर इसकी खूब चर्चा हो रही है।आईपीएल 2025 में भी विवादों का दौर शुरू हो चुका है। शुक्रवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए मैच में एक ऐसा फैसला लिया गया, जिसने क्रिकेट जगत को चौंका कर रख दिया। दरअसल, मैच में एक अहम मोड़ पर मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या से बातचीत करने के बाद बल्लेबाज तिलक वर्मा ने रिटायर्ड आउट होने का फैसला लिया। उस वक्त मुंबई को जीत के लिए सात गेंद में 24 रन की जरूरत थी। इस फैसले ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है।फैंस तिलक के इस फैसले को समझ नहीं पा रहे हैं, जबकि तिलक काफी अच्छे बल्लेबाज हैं और मुंबई के लिए वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान पर आए थे। तिलक की जगह मिचेल सैंटनर बल्लेबाजी के लिए आए जो कि बड़े हिट्स के लिए नहीं जाने जाते हैं। नतीजा यह हुआ कि 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर सैंटनर दो रन ले पाए। आखिरी छह गेंद पर मुंबई को जीत के लिए 22 रन की दरकार था, लेकिन टीम नौ ही रन बना सकी। न तो हार्दिक और न ही सैंटनर आखिरी ओवर में कोई बड़ी हिट लगा पाए। मुंबई की टीम लखनऊ के खिलाफ 12 रन से हार गई। दरअसल, पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 203 रन बनाए थे।

जवाब में मुंबई की शुरुआत तो अच्छी नहीं रही, लेकिन नमन धीर के 24 गेंद में 46 रन और सूर्यकुमार यादव के 43 गेंद में 67 रन ने मुंबई को 150 के पार पहुंचाया। इन दोनों के आउट होने के बाद जिम्मेदारी तिलक और हार्दिक पर आई, लेकिन 19वें ओवर की आखिरी गेंद से पहले अचानक तिलक रिटायर्ड आउट होकर अचानक पवेलियन लौटते दिखे। उस वक्त वह 23 गेंद में दो चौके की मदद से 25 रन बनाकर खेल रहे थे। तिलक के रिटायर्ड आउट होने के फैसले ने खुद मुंबई के खिलाड़ियों को भी चौंका दिया। सूर्यकुमार यादव कोच जयवर्धने की ओर इशारा करते हुए कहते हुए दिख रहे थे कि ये क्या है? ऐसा क्यों हो रहा है? इस पर जयवर्धने ने उनकी कान में कुछ कहा। फैंस ने इस मामले पर ट्वीट करते हुए कहा कि अगर मुंबई के पास लोअर ऑर्डर में कीरोन पोलार्ड या ड्वेन ब्रावो जैसे हार्ड हिटर्स होते तो यह फैसला जायज था, लेकिन सैंटनर के लिए तिलक को रिटायर्ड आउट करने का फैसला समझ से परे है। तिलक आईपीएल में रिटायर्ड आउट होने वाले चौथे बल्लेबाज बने। उनसे पहले आर अश्विन (2022), अथर्व तायदे (2023), साई सुदर्शन (2023) ऐसा कर चुके हैं। मैच के बाद कप्तान हार्दिक से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने सफाई पेश करते हुए कहा, 'ऐसा होना ही था, क्योंकि हमें बड़े हिटस् की जरूरत थी। तिलक ऐसा कर पाने में समर्थ नहीं थे। क्रिकेट में कुछ ऐसे दिन आते हैं जब आप पूरी कोशिश करते हैं, लेकिन आपसे नहीं हो पाता है। मुझे लगता है कि यह फैसला खुद ही यही जाहिर करता है कि हमने ऐसा क्यों किया। मैं किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहता। इस विफलता की जिम्मेदारी पूरी बैटिंग यूनिट को लेनी चाहिए। मैं हार की जिम्मेदारी लेता हूं। एक बल्लेबाजी इकाई के रूप में हम कमतर रह गए।'आश्चर्य की बात तो यह है कि तिलक का आईपीएल में 143.14 और टी20 में 155.08 का स्ट्राइक रेट है। वह एक विस्फोटक बल्लेबाज हैं और टी20 में लगातार दो शतक लगा चुके हैं। तिलक के जाने पर बल्लेबाजी करने आए सैंटनर दो गेंद में दो रन बना सके। वहीं हार्दिक 16 गेंद में 28 रन बनाकर नाबाद रहे। रोहित शर्मा इस मैच का हिस्सा नहीं थे। उन्हें नेट्स के दौरान घुटने पर चोट लगी थी। इससे पहले मिचेल मार्श के 31 गेंद में 60 रन और एडेन मार्करम के 38 गेंद में 53 रन की बदौलत लखनऊ ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 203 रन का स्कोर बनाया था। आयुष बदोनी ने 19 गेंद में 30 रन और डेविड मिलर ने 14 गेंद में 27 रन की पारी खेली थी। हार्दिक ने पांच विकेट झटके।

लखनऊ ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ बरकरार रखा अपना दबदबा, हार्दिक का ऑलराउंड प्रदर्शन भी नहीं आया काम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। लखनऊ ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मिचेल मार्श और एडेन मार्करम के अर्धशतकों के दम पर 20 ओवर में आठ विकेट पर 203 रन बनाए। मुंबई निर्धारित ओवर में पांच विकेट पर 191 रन ही बना सकी। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 12 रनों से हराकर आईपीएल 2025 में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। लखनऊ ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मिचेल मार्श और एडेन मार्करम के अर्धशतकों के दम पर 20 ओवर में आठ विकेट पर 203 रन बनाए। जवाब में सूर्यकुमार यादव ने भी पचासा जड़ा लेकिन उनकी कोशिश बेकार गई और मुंबई निर्धारित ओवर में पांच विकेट पर 191 रन ही बना सकी। मुंबई के लिए सूर्यकुमार ने 43 गेंदों पर नौ चौकों और एक छक्के की मदद से 67 रन बनाए। लखनऊ का मुंबई इंडियंस के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार है और उसने इस मैच में भी अपना दबदबा बरकरार रखा है। लखनऊ का मुंबई के खिलाफ अब जीत हार का रिकॉर्ड 6-1 हो गया है। लखनऊ ने आईपीएल 2025 में अब तक चार मुकाबले खेले हैं और उसे दो में हार और इतने ही मैच में जीत मिली है। लखनऊ इस मैच में जीत के साथ ही अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं, मुंबई ने भी चार मैच खेले हैं और वह एक जीत तथा तीन हार के साथ सातवें स्थान पर है। लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 17 रन के अंदर विल जैक्स और रियान रिक्लेटन के विकेट गंवा दिए। जैक्स पांच और रिक्लेटन 10 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सूर्यकुमार और नमन धीर ने पारी को संभाला और शानदार बल्लेबाजी करते हुए तीसरे विकेट के लिए 69 रन जोड़े। नमन हालांकि, अर्धशतक लगाने से चूक गए और 24 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 46 रन बनाकर आउट हुए। मुंबई ने इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर तिलक वर्मा को उतारा जिन्होंने सूर्यकुमार का अच्छा साथ निभाया। सूर्यकुमार ने 31 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और फिर आक्रामक अंदाज में खेलना जारी रखा। सूर्यकुमार को आवेश खान ने आउट किया। सूर्यकुमार के पवेलियन लौटने के बाद क्रीज पर कप्तान हार्दिक पांड्या उतरे। अंतिम ओवर से ठीक पहले तिलक वर्मा 25 रन बनाकर रिटायर आउट हो गए और उनकी जगह क्रीज पर मिचेल सैंटनर उतरे। मुंबई को आखिरी ओवर में जीत के लिए 22 रन चाहिए थे। हार्दिक ने आवेश की पहली गेंद पर छक्का लगाया, लेकिन आवेश लक्ष्य का बचाव करने में सफल रहे। हार्दिक 16 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 28 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि सैंटनर भी दो रन बनाकर नाबाद लौटे। लखनऊ की ओर से शार्दुल ठाकुर, आकाश दीप, आवेश खान और दिग्वेश सिंह राठी को एक-एक विकेट मिले। इससे पहले, लखनऊ सुपर जाएंट्स ने मिचेल मार्श और एडेन मार्करम के अर्धशतकों की मदद से मुंबई इंडियंस को 204 रनों का लक्ष्य दिया। मुंबई के लिए कप्तान हार्दिक पांड्या ने शानदार गेंदबाजी की और चार ओवर में 36 रन देकर पांच विकेट झटके। हार्दिक इसके साथ ही आईपीएल के किसी मैच में पांच विकेट लेने वाले पहले कप्तान बन गए हैं। इतना ही वह कप्तान के तौर पर सर्वाधिक विकेट हासिल करने वाले दूसरे गेंदबाज हैं। उन्होंने इस मामले में अनिल कुंबले की बराबरी कर ली है। कुंबले और हार्दिक के कप्तान के तौर पर एक समान 30-30 विकेट हैं। पहले बल्लेबाजी करते हुए मार्श ने पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी की, लेकिन विग्नेश पुथुर ने उन्हें आउट कर मुंबई को बड़ी सफलता दिलाई। मार्श 31 गेंदों पर नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से 60 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद लखनऊ ने दो और विकेट जल्द गंवा दिए। कप्तान ऋषभ पंत एक बार फिर फ्लॉप साबित हुए और दो रन बनाकर आउट हुए। वहीं, निकोलस पूरन ने 12 रन बनाए। मार्करम हालांकि डटे रहे और उन्होंने अर्धशतक पूरा किया। मार्करम भी 38 गेंदों पर दो चौकों और चार छक्कों की मदद से 53 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वहीं, आयुष बडोनी ने 19 गेंदों पर 30 रनों की पारी खेली। अंतिम ओवरों में डेविड मिलर ने अपना दम दिखाया और लखनऊ का स्कोर 200 के पार पहुंचाया। इस बीच हार्दिक के पास अंतिम ओवर में हैट्रिक लेने का मौका था, लेकिन वह चूक गए। हार्दिक ने पहले 20वें ओवर की चौथी गेंद पर मिलर को आउट किया जो 14 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 27 रन बनाकर आउट हुए। हार्दिक ने इसकी अगली गेंद पर आकाश दीप को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा। मुंबई के लिए हार्दिक के अलावा ट्रेंट बोल्ट, अश्विनी कुमार और विग्नेश पुथुर को एक-एक विकेट मिला।

मुंबई की तीसरी हार के बाद बल्लेबाजों और गेंदबाजों पर भड़के कप्तान हार्दिक पांड्या

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 12 रनों से हराकर आईपीएल 2025 में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। मुंबई के पास लखनऊ के 203 रन का कोई जवाब नहीं था। मुंबई की टीम की यह इस सीजन तीसरी हार रही। आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपरजाएंट्स के खिलाफ आईपीएल मैच में 12 रन से हार का सामना करने के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने शुक्रवार को कहा कि उनकी टीम ने गेंदबाजी करते समय 10-12 रन अधिक खर्च किए। मैच के बाद पुरस्कार समारोह में हार्दिक ने कहा, 'हारना हमेशा निराशाजनक होता है। मैं अगर ईमानदारी से कहूं तो मैदान में हमने 10-12 रन ज्यादा खर्च किए। आखिरी में हम इसी अंतर से हारे।'हार्दिक ने इस मैच में 36 रन देकर पांच विकेट लिए। टी20 क्रिकेट में उन्होंने पहली बार पांच विकेट चटकाए हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा अपनी गेंदबाजी का लुत्फ उठाया है। मेरे पास ज्यादा विकल्प नहीं हैं, लेकिन मैं विकेट परखकर समझदारी से अपने विकल्प चुनता हूं। मैं विकेट लेने की जगह बल्लेबाजों से गलतियां करवाने और उन्हें डॉट गेंद फेंकने की कोशिश करता हूं।' हार्दिक ने बल्लेबाजों को भी फटकार लगाते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि एक बल्लेबाजी इकाई के रूप में हम पिछड़ गए। हम एक टीम के रूप में जीतते हैं और एक टीम के रूप में हार रहे हैं। किसी एक को जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहता। इसकी जिम्मेदारी पूरी बल्लेबाजी इकाई को लेनी होगी। मैं पूरी जिम्मेदारी लेता हूं।' मुंबई ने तिलक वर्मा को उस समय रिटायर आउट करने का फैसला किया जब टीम को जीत के लिए सात गेंद में 24 रन की जरूरत थी। तिलक बड़ा शॉट खेलने में संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने 23 गेंद में 25 रन बनाए। हार्दिक ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा, 'हमें कुछ बड़े शॉट की जरूरत थी, लेकिन वह ऐसा नहीं कर पा रहा था। क्रिकेट में कुछ ऐसे दिन आते हैं, जब आप कोशिश करते हैं लेकिन वह सफल नहीं होता है। बस अच्छा क्रिकेट खेलें, मैं इसे सरल रखना पसंद करता हूं।' लखनऊ सुपर जाएंट्स ने रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 12 रनों से हराकर आईपीएल 2025 में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मिचेल मार्श और एडेन मार्करम के अर्धशतकों के दम पर 20 ओवर में आठ विकेट पर 203 रन बनाए। जवाब में सूर्यकुमार यादव ने भी पचासा जड़ा, लेकिन उनकी कोशिश बेकार गई और मुंबई निर्धारित ओवर में पांच विकेट पर 191 रन ही बना सकी।

आईपीएल मैच में पांच विकेट लेने वाले पहले कप्तान बने हार्दिक, टी20 का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मुंबई के लिए कप्तान हार्दिक पांड्या ने शानदार गेंदबाजी की और चार ओवर में 36 रन देकर पांच विकेट झटके। हार्दिक ने अपने शानदार स्पैल के दम पर आईपीएल में इतिहास रच दिया और वह मैच में पांच विकेट लेने वाले पहले कप्तान बन गए। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ आईपीएल 2025 के मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। हार्दिक ने मैच में पांच विकेट लिए और वह आईपीएल के किसी मैच में फाइव विकेट हॉल पूरा करने वाले पहले कप्तान बन गए। लखनऊ ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 203 रन बनाए।लखनऊ सुपर जाएंट्स ने मिचेल मार्श और एडेन मार्करम के अर्धशतकों की मदद से मुंबई इंडियंस को 204 रनों का लक्ष्य दिया। मुंबई ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। मार्श और मार्करम ने अर्धशतक जड़े जिससे लखनऊ की टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में सफल रही। मुंबई के लिए कप्तान हार्दिक पांड्या ने शानदार गेंदबाजी की और चार ओवर में 36 रन देकर पांच विकेट झटके। हालांकि, वह लखनऊ को 200 रन का स्कोर छूने से नहीं रोक सके। हार्दिक ने अपने शानदार स्पैल के दम पर आईपीएल में इतिहास रच दिया और वह मैच में पांच विकेट लेने वाले पहले कप्तान बन गए। उनसे पहले आईपीएल में किसी कप्तान ने मैच में पांच विकेट लेने का कारनामा नहीं किया है। हार्दिक ने इसके साथ ही गेंद से टी20 क्रिकेट का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इससे पहला खेल के सबसे छोटे प्रारूप में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन न्यूजीलैंड के खिलाफ 2023 में अहमदाबाद में खेले गए मैच में 16 रन देकर चार विकेट लेना था। हार्दिक ने इसके साथ ही पूर्व दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले की बराबरी कर ली है। हार्दिक कप्तान के तौर पर आईपीएल में सर्वाधिक विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। कप्तान के तौर पर हार्दिक के 30 विकेट हो गए हैं। कप्तान रहते कुंबले ने भी आईपीएल में इतने ही विकेट लिए हैं। कप्तान के तौर पर आईपीएल में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड शेन वॉर्न के नाम है।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ धोनी करेंगे सीएसके की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ का खेलना संदिग्ध

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। दिल्ली के खिलाफ मैच से पहले सीएसके के बल्लेबाजी कोच माइक हसी ने इस बात की पुष्टि की है कि गायकवाड़ की फिटनेस का आकलन शुक्रवार को किया गया है। उनके मैच में खेलने पर अंतिम फैसले मैच के दिन ही होगा। विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कप्तानी करते नजर आ सकते हैं। सीएसके का सामना शनिवार को घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के साथ होना है। नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच के दौरान कोहनी में चोट लग गई थी और अगर वह दिल्ली के खिलाफ मैच तक फिट नहीं हो सके तो धोनी कमान संभालते दिख सकते हैं। दिल्ली के खिलाफ मैच से पहले सीएसके के बल्लेबाजी कोच माइक हसी ने इस बात की पुष्टि की है कि गायकवाड़ की फिटनेस का आकलन शुक्रवार को किया गया है। उनके मैच में खेलने पर अंतिम फैसले मैच के दिन ही होगा। यह पूछे जाने पर कि क्या टीम किसी कार्यवाहक कप्तान के बारे में सोच रही है? हसी ने संकेत दिए कि विकेट के पीछे एक 'युवा' खिलाड़ी शनिवार के मैच में कप्तानी कर सकता है। ऋतुराज को राजस्थान के खिलाफ 30 मार्च को हुए मैच के दौरान बल्लेबाजी करते वक्त चोट लग गई थी। इतना समय बीत जाने के बाद भी ऋतुराज अब तक पूरी फिट नहीं हो सके हैं। हसी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि हम कप्तानी के बारे में इस वक्त ज्यादा सोच रहे हैं।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतने के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

पावरप्ले में सबसे ज्यादा गेंदें खेलने वाले बल्लेबाज बने मिचेल मार्श, इस सीजन का लगाया तीसरा पचासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मार्श ने पावरप्ले के दौरान 60 रन बनाए जो मुंबई के खिलाफ पहले छह ओवर में किसी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया दूसरा सर्वाधिक स्कोर है। मुंबई के खिलाफ पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड दिल्ली कैपिटल्स के जैक फ्रेजर मैकगर्क के नाम है जिन्होंने पिछले सीजन नाबाद 78 रन बनाए थे लखनऊ सुपर जाएंट्स के सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श आईपीएल 2025 में अलग ही लय में नजर आ रहे हैं। मार्श ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की और टीम को तेज शुरुआत दिलाई। मार्श इसके साथ ही पावरप्ले के दौरान सबसे ज्यादा गेंदों का सामना करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। मुंबई के युवा स्पिनर विग्नेश पुथुर ने उन्हें आउट कर मार्श की शानदार पारी का अंत किया। मार्श इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे जिससे लखनऊ ने अच्छी शुरुआत की। मार्श की इस आतिषी बल्लेबाजी की मदद से लखनऊ का स्कोर पावरप्ले में ही 60के पार पहुंच गया था। लखनऊ ने छह ओवर की समाप्ति तक बिना किसी नुकसान के 69 रन बनाए थे। दिलचस्प बात यह है कि इसमें से 60 रन अकेले मार्श ने बनाए, जबकि मार्करम का योगदान सात रन का रहा। मार्श ने इस मैच में महज 27 गेंदों पर अपना पचासा पूरा किया। पुथुर ने अपनी ही गेंद पर कैच लेकर मिचेल मार्श को आउट किया और लखनऊ को पहला झटका दिया। पावरप्ले के बाद कप्तान हार्दिक ने विग्नेश को गेंद थमाई और वह टीम को सफलता दिलाने में सफल रहे। मिचेल मार्श 31 गेंदों पर नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से 60 रन बनाकर आउट हुए। मार्श हालांकि अपनी इस तूफानी पारी के दम पर कुछ उपलब्धियां अपने नाम करने में सफल रहे। मार्श ने पावरप्ले के दौरान 30 गेंदों का सामना किया जो आईपीएल इतिहास में सर्वाधिक है। मार्श ने इस मामले में शिखर धवन का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। धवन ने मुंबई के खिलाफ पावरप्ले के दौरान 29 गेंदें खेली थी। मार्श ने पावरप्ले के दौरान 60 रन बनाए जो मुंबई के खिलाफ पहले छह ओवर में किसी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया दूसरा सर्वाधिक स्कोर है। मुंबई के खिलाफ पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड दिल्ली कैपिटल्स के जैक फ्रेजर मैकगर्क के नाम है जिन्होंने पिछले सीजन नाबाद 78 रन बनाए थे। मार्श मैकगर्क का रिकॉर्ड तो नहीं तोड़ सके, लेकिन उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के ट्रेविस हेड को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 2024 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ पावरप्ले के दौरान नाबाद 59 रन बनाए थे। मार्श इस सीजन बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं और चार में तीन पारियों में अर्धशतक जड़ चुके हैं। मार्श के आईपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने 2010 से 2024 के बीच 36 पारियों में तीन बार अर्धशतक लगाया, लेकिन इस सीजन वह चार पारियों में तीन बार 50 रन का आंकड़ा पार कर चुके हैं। मार्श ने इस सीजन 72, 52, 0 और 60 रन बनाए हैं। वह पावरप्ले के दौरान लखनऊ के लिए अर्धशतक लगाने वाले काइल मायर्स के बाद दूसरे बल्लेबाज हैं।

सम्पादकीय

छोटे जिलों में लड़ी जाए विकास की लड़ाई, तभी साकार होगा विकसित भारत का सपना

प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में छोटे जिले आदर्श केंद्र बिंदु बन सकते हैं। जैसे-जैसे हमारा देश सामाजिक, आर्थिक, जनसांख्यिकीय और राजनीतिक रूप से विकसित और परिवर्तित हो रहा है, हमारे टियर-2 और टियर-3 जिले इस परिवर्तन के केंद्र में आ रहे हैं। इन्हीं 240 जिलों में भारत की अधिकांश आबादी यानी 80 करोड़ लोगों का घर है। यह आबादी न तो बहुत अमीर है और न ही बहुत गरीब। इस वर्ग को 'मिडिल ऑफ द डायमंड इंडिया' कहा जा सकता है। बतौर उदाहरण उत्तर प्रदेश में मेरे लोकसभा क्षेत्र देवरिया में 20 लाख मतदाता और 28 लाख नागरिक हैं, जो जार्डन जैसे देश से भी बड़ी आबादी है। यह संसदीय सीट 2,500 वर्ग किलोमीटर में फैली हुई है, जो एनसीआर क्षेत्र से भी बड़ी है, लेकिन चुनावों के बाद अक्सर टियर-3 जिले हाशिये पर धकेल दिए जाते हैं। विकसित भारत का सपना तभी पूरा हो सकता है जब विकास की लड़ाई इन्हीं जिलों से लड़ी जाए देवरिया संसदीय क्षेत्र की जीडीपी पिछले दशक में लगभग छह प्रतिशत की दर से बढ़ी है। अब यह 17,000 करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था बन चुकी है। अगर यही दर बनी रही तो वर्ष 2035 तक यह 30,000 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगी, लेकिन विकसित देवरिया के संकल्प को प्राप्त करने के लिए इससे अधिक तेज वृद्धि दर की जरूरत है। इसके लिए पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए स्थानीय रोजगार का सृजन करना होगा, मानवीय संसाधनों को पूरी क्षमता से विकसित करना होगा यह महत्वाकांक्षी आर्थिक बदलाव नागरिकों, निजी क्षेत्र और सरकार के संयुक्त प्रयास से ही संभव होगा। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी ने स्वच्छ भारत और जल जीवन मिशन जैसे अभियानों को सफलतापूर्वक लागू किया है। चूंकि इन 240 जिलों मे उभरता हुआ मध्यम वर्ग बसता है, इसलिए तेज और समान विकास सक्षम सरकार और लोकतांत्रिक प्रयासों के जरिये संभव है। 'सबका प्रयास' का यह दृष्टिकोण कांग्रेस सरकारों के समाजवादी माडल से अलग है। पिछली सरकारों में जिलों के विकास के लिए पूरी तरह से सरकार पर निर्भरता थी। इसमें कोई संदेह नहीं कि सरकार की भूमिका अहम होती है। प्रधानमंत्री मोदी के सबका प्रयास का मंत्र इन छोटे जिलों के लिए सबसे अहम है। अगर हम इनकी विकास दर को नौ प्रतिशत तक ले जाना चाहते हैं, तो हमें कृषि, कम कुशलता वाले निर्माण उद्योग, इलेक्ट्रानिक्स, शहरीकरण, लाजिस्टिक्स और डिजिटल नेटवर्क में निवेश करना होगा। ऐसा विकास नागरिकों को उपभोक्ता के रूप में नहीं, बल्कि निर्माता के रूप में भी देखता है। स्थानीय संस्कृति, प्रेरक कहानियों, आदर्श व्यक्तित्व और हमारे इतिहास की विरासत से विकास की इस मुहिम को गति मिलेगी। पूर्वांचल 1857 की क्रांति का केंद्र था। तब मंगल पांडे ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ विद्रोह किया और एक साल बाद रानी लक्ष्मीबाई ने भी अंग्रेजों का सामना किया और वीरगति को प्राप्त हुईं। पूर्वांचल से उठी इस क्रांति के कारण इस क्षेत्र को अगले 90 वर्षों तक अंग्रेजों ने हाशिये पर डाल दिया और इसे आर्थिक रूप से शोषित करने के लिए विभाजनकारी नीतियां अपनाईं। इसके परिणामस्वरूप पूर्वांचल में अविश्वास और निषेध का माहौल बना। उस समय सेना में भर्ती रोक दी गई, नागरिक और सार्वजनिक सहयोग को संदेह की दृष्टि से देखा जाने लगा। देश में ऐसे और भी अनेक क्षेत्र हैं, जो अंग्रेजों की इसी नीति के शिकार हुए। 1900 में बिरसा मुंडा के विद्रोह के बाद झारखंड, संथाल विद्रोह के बाद बंगाल और कई अन्य क्षेत्र इसी तरह पीछे छूट गए। स्वतंत्र भारत की कड़वी विडंबना यह है कि जिन क्षेत्रों ने स्वतंत्रता संग्राम में सबसे अधिक योगदान दिया, वे आज सबसे अधिक पिछड़े हुए हैं और इनमें से अधिकतर उत्तर और पूर्व भारत में स्थित हैं। इसलिए विकसित भारत मिशन को एक 'क्रांतिकारी क्षेत्र निवेश कार्यक्रम' भी बनाना चाहिए, जो इन क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित करे। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्रस्तुत पूर्वोदय के सपने को साकार कर सकता है। इसी तरह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संकल्प एक ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक हो सकता है। अपने लोकसभा क्षेत्र में हमने इसी तरह की 10-वर्षीय विकास रणनीति तैयार की है। इस तरह हम अपनी जनता को एक नई और सकारात्मक क्रांति के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण की ओर प्रेरित करना चाहते हैं। यह 'सबके प्रयास से सबका विकास' करना है। प्रधानमंत्री मोदी का यह आह्वान राजनीतिक दृष्टिकोण से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आगे बढ़ाता है, जो हर वर्ग, जाति या पंथ की सीमाओं को तोड़कर सभी को एकजुट करता है। यह पूरी तरह से विपक्ष की जातिगत जनगणना की राजनीति से भिन्न है, जो समाज को बांटने के लिए एक नए हथियार के रूप में प्रयोग कर रहा है। यह नया दृष्टिकोण 'खटाखट' की राजनीति का मुकाबला करेगा, देश की आर्थिकी को मजबूत करेगा और आत्मनिर्भर नागरिकों का निर्माण करेगा। यह दृष्टिकोण जिला स्तर पर विकसित भारत के निर्माण की संकल्पना को बल देने का आधार बनेगा।

श्रीरामनवमी पर अद्भुत संयोग एक साथ बरसेगी दिव्य शक्तियों का आशीर्वाद

रामनवमी का त्योहार भगवान राम को समर्पित है और इस दिन मां दुर्गा के नौवें स्वरूप सिद्धिदात्री की पूजा भी की जाती है. दरअसल, राम नवमी का त्योहार भगवान राम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है. भगवान राम जगत के पालनहार श्रीहरि विष्णु के सातवें अवतार हैं और लोगों के मन में भी भगवान राम के प्रति अटूट श्रद्धा है. **आचार्य पंडित सुधांशु तिवारी (प्रश्न कुण्डली विशेषज्ञ/ ज्योतिषाचार्य)** इस बार राम नवमी का त्योहार 6 अप्रैल, रविवार को मनाया जाएगा. रामनवमी का त्योहार भगवान राम को समर्पित है और इस दिन मां दुर्गा के नौवें स्वरूप सिद्धिदात्री की पूजा भी की जाती है. दरअसल, राम नवमी का त्योहार भगवान राम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है. भगवान राम जगत के पालनहार श्रीहरि विष्णु के सातवें अवतार हैं और लोगों के मन में भी भगवान राम के प्रति अटूट श्रद्धा है. साथ ही, यह दिन श्रीराम की भक्ति के लिए बहुत ही अच्छा माना जाता है. श्री राम नवमी हिंदू पंचांग के अनुसार, भगवान राम का जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को हुआ था इसलिए हर साल चैत्र माह की नवमी तिथि को राम नवमी मनाई जाती है. इस दिन मध्य दोपहर में भगवान राम का जन्म कर्क लग्न और पुनर्वसु नक्षत्र में हुआ था. इस साल रामनवमी 6 का बहुत ही शुभ मुहूर्त है. भगवान श्रीराम का चैत्र नवरात्र से संबंध ऐसी मान्यताएं हैं कि चैत्र नवरात्र सुथरे वस्त्र धारण करें. इसके बाद घर के मंदिर की साफ सफाई करके पूजन की तैयारी करें. उसके बाद

अप्रैल 2025, रविवार को मनाई जाएगी. श्रीराम नवमी शुभ मुहूर्त इस बार नवमी तिथि 5 अप्रैल को शाम 7 बजकर 26 मिनट पर शुरू होगी और तिथि का समापन 6 अप्रैल को शाम 7 बजकर 22 मिनट पर होगा. श्रीराम की पूजन मुहूर्त- 6 अप्रैल को सुबह 11 बजकर 08 मिनट से दोपहर 1 बजकर 29 मिनट तक भगवान राम की पूजा के नौवें दिन ही भगवान राम का जन्म हुआ था. इसलिए इसे रामनवमी भी कहा जाता है. भगवान राम मध्य दोपहर में कर्क लग्न और पुनर्वसु नक्षत्र में जन्मे थे. इसलिए रामनवमी पर मध्य दोपहर में भगवान राम की पूजा अर्चना करनी चाहिए. श्रीराम नवमी पूजन विधि इस दिन सुबह जल्दी उठें और स्नानादि करें. इसके बाद साफ-एक चौकी लें उसपर पीले रंग का वस्त्र बिछाएं और वहां पर भगवान राम का चित्र या मूर्ति स्थापित करें. ध्यान रहें कि भगवान राम का चित्र परिवार सहित हो. इसके बाद भगवान राम के चित्र या मूर्ति को गंगाजल से स्नान कराएं, फिर तिलक लगाएं, उन्हें अक्षत अर्पित करें और पुष्प चढ़ाएं. उसके बाद भगवान राम का ध्यान करें और ध्यान करने के बाद भगवान राम के पूरे परिवार का भी पूजन करें. अंत में भगवान राम की आरती करें. आरती करने के बाद श्रीराम जय राम जय जय राम- इस विजयमंत्र का कीर्तन कम से कम 15 मिनट तक करें. फिर, भगवान राम को प्रणाम करें और उन्हें फल या मिठाई का भोग लगाएं. आखिर क्यों दोपहर में ही भगवान राम की पूजा की जाती है ऐसी मान्यता है कि भगवान राम का जन्म दोपहर के समय ठीक 12 बजे हुआ था इसलिए इस दिन दोपहर के समय पूजन करना भी शुभ माना जाता है. विपत्ति में रक्षा हेतु मंत्र राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे। सहस्त्र नाम तत्तुल्यं राम नाम वरानने।। मुक्ति और प्रभु प्रेम हेतु मंत्र नाम पाहरु दिवस निसि ध्यान तुम्हार कपाट। लोचन निजपद जंत्रित जाहि प्राण केहि बाट।। सुखी जीवन पर खास पूजा राम नवमी पर प्रातःकाल में स्नान कर पीले वस्त्र पहनें. लाल कपड़े बिछाकर सीता राम जी की तस्वीर रखें. शुद्ध घी या तिल तेल दीपक जलाएं साथ ही चंदन की अगरबत्ती जलाएं. गुलाब, फूल, माला और गुलाम पुष्प चढ़ाएं. सफेद मिठाई और कोई सफ़ेद फल चढ़ाएं. इस मंत्र ॐ रामाय नमः। ॐ श्रीं रामाय नमः ।ॐ क्लीं रामाय नमः का जाप करें. **अष्टमी वाले दिन हवन के शुभ मुहूर्त ब्रह्म मुहूर्तः सुबह 4.35 से 5.21 तक प्रातः संध्या : सुबह 4.58 से 6.07 तक अभिजित मुहूर्त : सुबह 11.59 से दोपहर 12.49 तक विजय मुहूर्त : दोपहर 2.30 से शाम 3.20 तक नवमी वाले दिन हवन के शुभ मुहूर्त ब्रह्म मुहूर्तः सुबह 4.34 से 5.20 तव प्रातः संध्या : सुबह 4.57 से 6.05 तक अभिजित मुहूर्त : सुबह 11.58 से दोपहर 12.49 तक विजय मुहूर्त : दोपहर 2.30 से शाम 3.20 तक** श्रीराम नवमी कथा श्री राम नवमी की कहानी लंका के राजा 'रावण' से शुरू होती है. उसके शासन में लोग आतंकित थे और उससे मुक्ति पाना चाहते थे. रावण ने भगवान ब्रह्मा से ऐसी शक्ति प्राप्त की थी कि वह कभी भी देवताओं या यक्षों (देवताओं) के हाथों नहीं मारा जाएगा. वह सबसे शक्तिशाली था. इसलिए, इस आतंक के कारण, सभी देवता मदद के लिए भगवान विष्णु के पास गए. इस प्रकार, राजा दशरथ की पत्नी कौशल्या ने भगवान राम को जन्म दिया. तब से, इस दिन को श्रीरामनवमी के रूप में मनाया जाता है . साथ ही, चैत्र शुक्ल नवमी को ही तुलसीदास ने रामचरितमानस लिखना शुरू किया था।

राजनीति का केंद्र बिंदु और देश की उम्मीदों का प्रतिबिंब भाजपा

भारतीय जनता पार्टी की साढ़े चार दशकों से अधिक की यात्रा भारतीय राजनीति के इतिहास में एक संघर्षशील, प्रेरणादायी और गौरवशाली अध्याय के रूप में दर्ज है। हर वर्ष 6 अप्रैल को पार्टी कार्यकर्ता देश भर में स्थापना दिवस को एक संकल्प के रूप में मनाते हैं। यह एक ऐसी यात्रा है जो दृढ़ संकल्प, निष्ठा, निरंतरता और जनसेवा के प्रति अटूट समर्पण के साथ आगे बढ़ती जा रही है। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को इस बात का गर्व होता है कि वह अपनी पार्टी के माध्यम से एक ऐसी विचारधारा को लेकर आगे बढ़ रहा है, जिसका मात्र एक उद्देश्य 'राष्ट्र प्रथम' है यह विचार का वह बीज था, जिसने पहले भारतीय जनसंघ और बाद में भारतीय जनता पार्टी की इस ऐतिहासिक यात्रा की मजबूत नींव रखी। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के बहुमुखी विकास की यह यात्रा अनवरत आगे बढ़ रही है। आजादी मिलने के बाद जब राष्ट्रवादी दृष्टिकोण रखने वाले डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और कांग्रेस के बीच वैचारिक मतभेद उभरे तो इन मतभेदों ने एक नई राह को जन्म दिया, जिसने देश के सामने एक मजबूत विकल्प प्रदान किया। उस दौर से आज तक कई अन्य राजनीतिक दल परिवारवाद, भ्रष्टाचार, विचारशून्यता और दिशाहीनता के शिकार होकर कमजोर पड़ते गए, लेकिन अपने विचारों के प्रति कटिबद्ध भारतीय जनता पार्टी आज देश के जनमानस में अमिट छाप छोड़ रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के दर्शन ने हमें मानवता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा दी। तमाम राजनीतिक भारतीय जनता पार्टी के मूल सिद्धांत बने, जो आज भी हमारी पहचान हैं हालांकि शुरुआती दिनों में भी चुनौतियां कम नहीं थीं। स्थापना के बाद हुए 1984 के लोकसभा चुनाव में हमें मात्र दो सीटें प्राप्त हुईं। ऐतिहासिक क्षण था। वर्ष 2014 से लगातार मिल रहे जन आशीर्वाद के बाद यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि भारतीय जनता पार्टी देश की आशा, आकांक्षाओं और उम्मीदों का प्रतिबिंब बन गई है। सर्वसमाज को उनके जीवन में बेहतरी के लिए बदलाव की गारंटी का भरोसा हासिल हुआ है। भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा मजबूत हुई है। दुनिया के तमाम देश भारत को वैश्विक मुद्दों पर समाधान की पहल जन तक पहुंचाया है। विभिन्न समुदायों को एकजुट करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने अपना आधार और व्यापक किया, जिससे हमारी संगठनात्मक शक्ति और बढ़ी वर्ष 2014 के बाद भाजपा सरकार ने यह सुनिश्चित करने का काम किया है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े नागरिक तक पहुंचे। यह केवल सत्ता प्राप्त करने की बात नहीं, बल्कि एक ऐसे भारत के निर्माण की थी, जहां हर नागरिक सम्मान, स्वाभिमान और समृद्धि के साथ जीवन जी सके। भारतीय जनता पार्टी ने अपने डिजिटल प्लेटफार्म्स और अनेक सामाजिक पहलों के जरिये अपनी नीतियों को जनता के बीच ले जाने का प्रयास किया। अब तक की इस यात्रा में सबसे लोकप्रिय नेता और भारतीय जनता पार्टी को जन-जन से जोड़ने का यश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाता है, जो लगातार तीसरी बार केंद्र सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में भाजपा ने नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और जनकेंद्रित नीतियों ने न केवल भारत को वैश्विक मंच पर एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित किया, बल्कि पार्टी को अभूतपूर्व ऊर्जा और लोकप्रियता भी प्रदान की भारतीय जनता पार्टी का लक्ष्य स्पष्ट है-एक ऐसा भारत जो अपनी गौरवशाली परंपराओं को संजोते हुए आधुनिकता की राह पर तेजी से आगे बढ़े। भाजपा की यह अविरल यात्रा न केवल एक राजनीतिक यात्रा है, बल्कि देश सेवा का एक संकल्प भी है।

उतार-चढ़ाव के साथ 6 अप्रैल, 1980 को इसी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई। यह वह दिन था, जब भाजपा ने एक नई शुरुआत की, जो आज स्थापना दिवस के रूप में हर पार्टी कार्यकर्ता के लिए गर्व का प्रतीक है। हमारी जड़ें 1951 में स्थापित जनसंघ की प्रेरणा से जुड़ी हैं। उसके बाद 1977 में जनता पार्टी में विलय एक अस्थायी पड़ाव था, लेकिन वैचारिक असहमति ने हमें फिर से स्वतंत्र रूप से संगठित होने के लिए प्रेरित किया। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और एकात्म मानववाद निश्चित रूप से यह एक कठिन दौर था, लेकिन पार्टी कार्यकर्ता अपने विचारों के साथ अडिग रहकर समाज के बीच कार्य करते रहे। 1989 के बाद पार्टी ने राष्ट्रीय मंच पर अपनी उपस्थिति को मजबूत किया। लोकसभा में तो उसकी संख्या बढ़ी ही, कई राज्यों में भी वह प्रभावशाली शक्ति बनकर उभरी। 1999 में अटल बिहारी वाजपेयी के कुशल नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए की स्थिर सरकार बनी। भारतीय राजनीति में यह एक यह केवल आंकड़ों की बात नहीं थी, बल्कि यह उस विश्वास का प्रतीक था, जो जनता ने भाजपा पर जताया है। आज, इस अमृतकाल में भारतीय जनता पार्टी भारतीय राजनीति का केंद्र बिंदु बन चुकी है। यह वह तथ्य है, जिसकी कोई भी अनदेखी नहीं कर सकता अपने सुदीर्घ कार्यकाल में सेवा और सुशासन का लक्ष्य लेकर काम कर रही मोदी सरकार ने देश की प्रगति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। विरासत और विकास की अवधारणा को मूर्त आकार दिया है। गरीब, वंचित, पिछड़ा, महिला सहित करने वाले देश के रूप में देख रहे हैं। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को लेकर भारत वैश्विक पटल पर ग्लोबल साउथ की मजबूत आवाज बनकर उभरा है। बुनियादी चुनौतियों से उबर कर भारत पिछले एक दशक में प्रगति के वैश्विक मानकों को छू रहा है। पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी सरकार ने नवाचारों से नई पीढ़ी को जोड़ने का काम किया है। जमीनी स्तर पर कड़ी मेहनत और डिजिटल तकनीक के उपयोग से पार्टी ने अपनी नीतियों को जन-

टैरिफ की आपदा को अवसर बनाए भारत, द्विपक्षीय व्यापार समझौतों की रणनीति से बढ़ना होगा आगे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में विनिर्माण को बढ़ावा देने और व्यापार असंतुलन को दूर करने के नाम पर मित्र और विरोधी, दोनों तरह के देशों पर नई पारस्परिक टैरिफ दरों का एलान किया है। इससे पूरी दुनिया में जबरदस्त हलचल है। ट्रंप प्रशासन की ओर से भारत पर 27 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। ट्रंप के इस एलान से दुनिया भर के बाजारों में हाहाकार मचा है। यद्यपि भारत सरकार ने ट्रंप की नई टैरिफ नीति के मद्देनजर घरेलू उद्योगों के संरक्षण की बात कही है, लेकिन अब देश के उद्योग जगत द्वारा टैरिफ संरक्षण के बजाय वैश्विक प्रतिस्पर्धा और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) पर ध्यान दिया जाना कहीं बेहतर होगा। यदि निर्यातों की बात करें तो कुल निर्यातों में से 20 प्रतिशत यानी करीब 80 अरब डालर के निर्यात अमेरिका को होते हैं। ट्रंप की टैरिफ नीति से टेक्सटाइल, आटोमोबाइल पार्ट्स, रत्न और आभूषण और इलेक्ट्रानिक्स एवं कृषि उत्पादों के प्रभावित होने की आशंका है। हालांकि टैरिफ नीति के प्रभाव से अन्य देशों की तुलना में भारत कम प्रभावित होगा। एसबीआई रिसर्च के अनुसार भारत के कुल निर्यात पर प्रभाव 3-3.5 प्रतिशत तक सीमित रह सकता है। इसमें कोई दोराय नहीं कि ट्रंप की ओर से छेड़ी गई टैरिफ जंग में भारत के लिए घरेलू मांग, नए व्यापार समझौते और रिकार्ड खाद्यान्न उत्पादन एवं रिकार्ड खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों का निर्यात कारगर हथियार दिखाई दे रहे हैं। टैरिफ चुनौतियों के बीच घरेलू मांग भारत की आर्थिक शक्ति है। देश के कुल निर्यात में सेवा निर्यात की करीब 55 प्रतिशत की ऊंची हिस्सेदारी भारत की विशेष ताकत है। भारत के पास बाहरी जोखिम का मुकाबला करने के लिए मजबूत आर्थिक घटक मौजूद हैं। चालू खाते का घाटा नियंत्रित है। विदेशी मुद्रा भंडार 659 अरब डालर के स्तर पर है। महंगाई दर 3.6 प्रतिशत तक आ गई है, जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिली है। अर्थव्यवस्था में राजकोषीय अनुशासन है। निजी निवेश बढ़कर 61.49 प्रतिशत हो गया है, जो आर्थिक वृद्धि को गति देगा। बेरोजगारी दर भी घटी है और कंपनियां नई भर्तियों की योजना बना रही हैं। इन सबके साथ-साथ सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की वृद्धि दर भी वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत के स्तर पर दिखाई दे रही है। हाल में प्रकाशित द राइज आफ मिडिल क्लास इंडिया नामक डाक्यूमेंट के अनुसार भारत में मध्यवर्ग का दायरा तेजी से बढ़कर वर्ष 2021 में लगभग 43 करोड़ हो गया है, जो 2047 तक बढ़कर 102 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। इस वर्ग को 5 लाख से 30 लाख रुपये की वार्षिक आय वाले परिवारों के रूप में परिभाषित किया गया है। निश्चित रूप से भारत के ट्रंप की टैरिफ नीति के असर से को अंतिम रूप देने के लिए वार्ता शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप देने की डगर में अनिश्चितता, अंतरराष्ट्रीय कृषि क्षेत्र में लंबे समय से पसरी हुई चुनौतियों का मुकाबला करना होगा। नई टैरिफ चुनौतियों के बीच भारत का लक्ष्य अनिवार्य रूप से निर्यात का विस्तार 'पारंपरिक बाजार' से बाहर बढ़ाने का होना चाहिए। भारत ऐसे क्षेत्रों में निर्यात की संभावनाएं तलाशे, जहां उसे प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल है। यह समय की मांग है कि पारंपरिक साझेदारों से परे व्यापार का विविधीकरण हो। इस क्रम में गैर पारंपरिक बाजार जैसे दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका और ओशियानिया में निर्यात की संभावनाएं खोजना महत्वपूर्ण है। निर्यात संभावना वाले उत्पादों को चिह्नित करने और इन उत्पादों को अधिकतम मांग वाले देशों में निर्यात रणनीति को बेहतर बनाने पर जोर देना होगा। याद रहे कि टैरिफ प्रतिस्पर्धा से जुड़े हैं और अगर हम टैरिफ की आड़ में रहेंगे तो प्रतिस्पर्धी नहीं बन पाएंगे। हमें यही उम्मीद करनी चाहिए कि हमारा देश अमेरिका द्वारा लगाए गए 27 प्रतिशत टैरिफ की चुनौती का मुकाबला करने में सफल होगा। बढ़ती घरेलू मांग, नए व्यापार समझौते, रिकार्ड खाद्यान्न उत्पादन, विस्तार करता खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण निर्यात और अन्य घरेलू आर्थिक घटक भारत के लिए मजबूत और असरकारक आर्थिक हथियार के रूप में उपयोगी साबित होते हुए दिखाई देंगे।

मध्यवर्ग की बढ़ती क्रय शक्ति और नई पीढ़ी की आंखों में उपभोग और खुशहाली के सपनों के कारण जहां कई देश भारत से आर्थिक-व्यापारिक संबंध बढ़ाने के लिए तत्पर हैं, वहीं दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने नामी-गिरामी ब्रांडों के साथ भारत के बहुआयामी उपभोक्ता बाजार में नई रणनीतियों के साथ दस्तक दे रही हैं। भारत बचने और वैश्विक व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए नए वैश्विक व्यापार समीकरणों के साथ आगे बढ़ रहा है। नई दिल्ली में भारत और अमेरिका के वरिष्ठ व्यापार प्रतिनिधियों ने 26 से 29 मार्च के बीच द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 500 अरब डालर के स्तर पर पहुंचाने के प्रस्तावित व्यापार समझौते की रूपरेखा और संदर्भ की शर्तों की है। सरकार तेजी से मुक्त व्यापार समझौतों यानी एफटीए और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों की रणनीति पर आगे बढ़ रही है। अब जब नार्वे, हंगरी, ग्वाटेमाला, पेरू, चिली के साथ भी शीघ्र ही व्यापार समझौते की तैयारी है, तब भारत को ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजरायल, गल्फ कंट्रीज काउंसिल के साथ भी एफटीए को पर तेजी से आगे बढ़ना होगा। ट्रंप की टैरिफ नीति से भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में होने वाली तीन से 3.5 प्रतिशत नुकसान की बहुत कुछ भरपाई खाद्यान्न और कृषि प्रसंस्करण के निर्यात से भी की जा सकेगी। ऐसे मजबूत आर्थिक आधार के बावजूद हमें ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों के साथ वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार नीति बाजार में जिंसों के दाम और वित्तीय बाजार में अस्थिरता तथा विदेश में व्याप्त आर्थिक निराशावाद के प्रति भी सतर्क रहना होगा। हमें इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि खाद्य कीमतों में तेज गिरावट के कारण नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश बनती है, किंतु घटती महंगाई और बढ़ते खाद्य उत्पादन को देखकर सरकार को

आकाशीय बिजली से बचाएगा बहुउपयोगी दामिनी एप एवं सचेत एप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने जनसामान्य से अपील करते हुए कहा कि खराब मौसम में आकाशीय बिजली गिरने/वङ्कापात की घटनाएं घटित होने की संभावनाएं काफी बढ़ जाती हैं, जिससे जनहानि एवं पशु हानि व मकान क्षति तथा व्यक्ति के घायल होने की घटनाए प्रायः होती हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि आकाशीय बिजली से बचने के उपायों को अपनाया जाय ताकि वङ्कापात से जनहानि न होने पाये। उन्होंने कहा है कि जनसामान्य अपने मोबाइल में मौसम विज्ञान विभाग भारत सरकार द्वारा विकसित दामिनी एप एवं सचेत एप डाउनलोड करें, जिससे वङ्कापात/ मौसम खराब की पूर्व सूचना मिल सके और वङ्कापात से बचा जा सके। उन्होने बताया कि उत्तर प्रदेश में प्रतिवर्ष वङ्कापात से कम से कम क्षति हो इसके लिए प्रभावी व्यवस्था को अपनाने के साथ ही अधिसूचित आपदाओं की पूर्व चेतावनियों एवं अलर्ट को आम जनमानस तक समय से पहुचांकर आपदा को कम किया जा सकता है अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार ने जनसामान्य को बचाव के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि वङ्कापात से बचने के लिए पेड़ों के नीचे, मोबाइल टावर व ऊंचे मकान के नीचे शरण न लें। बच्चों को बाहर न खेलने दें, लोहे की खिड़की, दरवाजे व हैण्डपम्प आदि को न छुएं। धातु से बने छाते का प्रयोग न करें, लैण्डलाइन एवं बिजली के उपकरणों का उपयोग न करें, खुल वाहनों मे सवारी न करें, बचाव के लिए जमीन पर न लेटें तथा तैराकी या नौकायन न करें। जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी ने कहा कि यदि मौसम खराब हो तो तुरन्त किसी पक्के घर में शरण लें, आसपास सुरक्षित स्थान न होने पर दोनों कानों को बंद कर पैरों को सटा लें तथा घुटनों का टेक लेकर उकड़ू बैठ जाएं। घरों में विद्युत उपकरणों को प्लग से अलग कर दें। यदि खेतों में हैं तो तुरन्त सूखे स्थान पर चल जाएं। हाईटेंशन तारों, पोखरों, बिजली के खंभों तथा कटीले तारों से दूर रहें। उन्होंने बताया कि वङ्कापात से कम से कम क्षति हो इसके लिए प्रभावी व्यवस्था को अपनाने के साथ ही अधिसूचित आपदाओं की पूर्व चेतावनियों एवं अलर्ट को आम जनमानस तक समय से पहुंचा कर आपदा को काम किया जा सकता है। उन्होंने बताया दामिनी ऐप लगभग 20 से 40 किमी के क्षेत्र में संभावित लाइटनिंग अलर्ट का नोटिफिकेशन प्रेषित करता है, जिससे व्यक्तियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचने तथा बचाव का अवसर प्राप्त हो सकेगा। इसलिए स्वयं के मोबाइल में दामिनी एप डाउनलोड करने के साथ ही जनसामान्य को भी इस अति उपयोगी दामिनी एप के बारे में बताएं, जिससे वङ्कापात की पूर्व चेतावनी व अलर्ट अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके तथा वङ्कापात से होने वाली क्षतियों को न्यूनीकृत किया जा सके। मौसम की पूर्ण जानकारी हेतु सचेत एप डाउनलोड करें, जिससे मौसम की जानकारी एवं विभिन्न आपदाओं की जानकारी व एडवाइजरी भी प्राप्त हो सके व चेतावनी मिलती रहे।

रामनवमी को लेकर ळझ् में हाई अलर्ट, परंपरागत मार्गों से ही निकलेगा जुलूस ड्रोन से होगी निगराना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

लखनऊ। रामनवमी को लेकर यूपी में हाई अलर्ट घोषित किया गया है। सिर्फ परंपरागत मार्गों से ही जुलूस निकालने की अनुमति दी गई जुलूस निकालने की अनुमति सिर्फ परंपरागत मार्गों से ही होगी। नए रूट से जुलूस नहीं निकलेगा। किसी भी तरह की अराजकता करने पर पुलिस कड़ी कार्रवाई करेगी।

है। सुरक्षा को लेकर जिलों में ड्रोन से निगरानी की जाएगी। पुलिस-प्रशासन का साफ निर्देश है कि किसी भी तरह की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रामनगरी अयोध्या समेत पूरे प्रदेश में रामनवमी उत्सव को लेकर उत्साह है। लोग इसकी तैयारियों में जुटे हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अयोध्या, लखनऊ, फतेहपुर, मेरठ, बरेली, शाहजहांपुर, आगरा समेत प्रदेशभर में अलर्ट घोषित किया गया है। जिलों में ड्रोन से निगरानी की जाएगी। अयोध्या में जिला प्रशासन ने इस बार रामनवमी पर्व को लेकर बेहद खास तैयारी की है। श्रीराम जन्मोत्सव के मौके पर देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं पर ड्रोन के माध्यम से रामपथ पर सरयू के पवित्र जल की फुहारें डाली जाएंगी। इसके अलावा रामकथा पार्क में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। विभिन्न विभागों की ओर से प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एक बातचीत के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ड्रोन से सरयू जल के छिड़काव की तैयारी की जा रही है। वैसे भी सरयू की पौराणिक मान्यता है। रामनवमी पर अयोध्या आने वाले भक्त सरयू में आस्था की डुबकी भी लगाते हैं। ऐसे में इस बार यह विशेष पहल करने की योजना तैयार की गई है।उन्होंने बताया कि श्रीराम जन्मोत्सव के मौके पर पर्यटन और संस्कृति विभाग की ओर से पांच और छह अप्रैल को रामकथा पार्क में विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम व भजन संध्या आयोजित की जाएगी।

नकारात्मकता में सकारात्मक तथा अशुभ में शुभ खोजना चाहिए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। लालगंज -रायबरेली, गीता ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन कुरुक्षेत्र से पधारे स्वामी ज्ञानानंद जी ने कहा की गीता जी की शिक्षा है कि नकारात्मकता में सकारात्मक तथा

अशुभ में शुभ खोजना चाहिए।यही भारत के ऋषि और मनीषयों का चिंतन भी रहा है। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की नकारात्मक सोच को अपने अंदर न आने दे क्योंकि नकारात्मकता मनुष्य को अंदर से कमजोर करती है। उन्होंने कहा की निराशाएं समस्या बढ़ती हैं,परंतु स्थिरता के साथ निराशा का वैचारिक विश्लेषण समाधान प्रदान करते हैं।हर समस्या का समाधान आपके स्वयं के अंदर से प्राप्त होगा।उन्होंने कहा की गीता जी वह ग्रंथ है जो मानव जीवन को रचनात्मक सोच के साथ आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती है। भगवद गीता धार्मिक आस्था के साथ ही जीवन जीने का आधार भी है।उन्होंने कहा कि गीता जी में तीन तरह के योग की चर्चा की गई है,कर्म योग,भक्ति योग और ज्ञान योग।कर्म के बारे में स्वामी जी ने बताया कि की कर्म को भार नहीं श्रृंगार के रूप में धारण करना चाहिए।कर्म को कर्तापन के अहंकार से रहित होकर संपादित करना चाहिए। गीत कर्म का निषेध नहीं करती,बल्कि त्याग पूर्वक कर्म का निर्देश करती हैं।उन्होंने कहा की गीता में तीन तरह के त्याग के साथ कर्म करने का निर्देश है।गीता अहंता, ममता और फल की इच्छा के त्याग के लिए कहती है।उन्होंने बताया कि सत्संग,नाम जप और दान ऐसी चीज हैं जो मृत्यु के बाद भी साथ जाती हैं। कल भी इन तीनों के प्रभाव को कम नहीं कर पता है। कबीर दास का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जब उनकी मृत्यु निकट आई तो कबीर दास की आंखों में आंसू थे। उनके पुत्र ने आंसुओं का कारण पूछा तो कबीर दास ने कहा कि मैं मृत्यु से नहीं डरता मुझे दुख इस बात का है कि मुझे बैकुंठ तो मिलेगा पर बैकुंठ में सत्संग नहीं मिलेगा। स्वामी जी ने कहा की साधना और सत्संग केवल मानव शरीर में ही संभव है।क्योंकि मनुष्य शरीर अन्य सभी शरीरों से श्रेष्ठ है जो अंदर के सत्व को जागृत करने की क्षमता रखता है।इस अवसर पर पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह उत्तर प्रदेश के पूर्व गृह सचिव मनी प्रसाद मिश्र सुनील सिंह राम भोले शुक्ला आर के पांडे सूर्यकुमार गुप्त खन्ना राजेश पांडे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किया गया जिला कारागार का निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला हो सकी हो के सम्बन्ध में पूछा गया। सचिव द्वारा निरीक्षण के दौरान बैरकों में पर्याप्त साफ-सफाई कराये जाने के बावत जेलर को

विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली राजकुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में अनुपम शौर्य अपर जिला जज/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा बुधवार को जिला कारागार, रायबरेली का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अनुपम शौर्य अपर जिला जज/ सचिव द्वारा जिला कारागार की बैरकों, महिला बैरक, पाकशाला, चिकित्सालय व लीगल ऐड क्लीनिक का निरीक्षण किया गया। सचिव द्वारा निरीक्षण के दौरान बन्दियों से पूछा गया कि उनके पास अधिवक्ता उपलब्धता के सम्बन्ध में व जिसकी जमानत न्यायालय से होने के बाद भी जमानतदार न दाखिल होने के कारण रिहाई नहीं निर्देशित किया गया। निरीक्षण उपरांत महिला बन्दियों के विधिक अधिकार विषय़ पर विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इस विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर में जिला कारागार में निरुद्ध महिला बन्दियों की शिक्षा एवं व्यवसाय के सम्बन्ध में चर्चा की गयी। जिससे अधिक से अधिक बन्दी लाभान्वित हो सके। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक प्रभात सिंह, जेलर हिमांशु रौतेला, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल जय सिंह यादव, जेल चिकित्सक डा0 सुनील अग्रवाल, उपकारापाल धर्मपाल सिंह, उपकारापाल अंकित गौतम उपस्थित रहे।

समस्त आयुर्वेद एवं यूनानी के निजी चिकित्सक, पंचकर्मा सेन्टर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी गौतमबुद्ध नगर डा0 धर्मेन्द्र कुमार केम ने बताया कि जनपद गौतम बुद्ध नगर के समस्त निजी चिकित्सक (आयुर्वेद एवं यूनानी), पंचकर्मा सेन्टर, आयुर्वेद चिकित्सालय संचालक चिकित्सीय कार्य करने के लिए अपना पंजीकरण कार्यालय क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी गौतम बुद्ध नगर ब्लॉक-6, सेक्टर 39, महिला थाना केंपस, नोएडा में कराये तथा जिन्होंने अपना पंजीकरण पूर्व में कराया हुआ है वह अपने पंजीकरण का नवीनीकरण करा लें।उन्होंने बताया कि पंजीकरण की प्रक्रिया 01.04.2025 से प्रारम्भ हो चुकी है एवं आगामी 15 अप्रैल 2025 तक पंजीकरण/ नवीनीकरण आवश्यक कर लें, जो भी चिकित्सक (आयुर्वेद एवं यूनानी) बिना पंजीकरण के चिकित्सीय कार्य करते हुये पाया जायेगा, उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

शतरंज, दिमाग का खेल रणनीतियां बनाने में निभाता है अहम भूमिका- कलेक्टर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

शहडोल। 3 अप्रैल 2025- संभागीय मुख्यालय शहडोल के श्रेयांश रिसॉर्ट सोच और रणनीति को विकसित करने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि शतरंज खेलने से जरूर सिखाए। साथ ही कलेक्टर ने शंतरज खिलाड़ियो से चर्चा भी की तथा खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के

में 2 अप्रैल से 6 अप्रैल तक आयोजित किए जा रहे चेस फॉर एवरीवन इंटरनेशनल ओपन टूर्नामेंट में भाग ले रहे शतरंज खिलाड़ियों को कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने संबोधित किया। कलेक्टर ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि शतरंज का खेल बौद्धिक एवं दिमागी खेल है जबकि अन्य खेल शारीरिक व ताकत के होते है। उन्होंने कहा कि शतरंज एक ऐसा खेल है जो दिमाग की शक्ति और सोच की गहराई को भी परखता है। यह एक मानसिक चुनौती है जो खिलाड़ियों को अपनी न केवल दिमाग की शक्ति बढ़ती है, बल्कि यह आत्मविश्वास और संकल्प शक्ति को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि शतरंज के खिलाड़ी अपने दिमाग को खेल तक ही सीमित न रखें बल्कि अपने दिमाग का उपयोग देश के विकास में भी अपना योगदान देकर करें। उन्होंने कहा कि शतरंज खेल के खिलाड़ी अपने दिमाग से ज्यादा दूसरे के दिमाग को समझते हैं। उन्होंने कहा कि शहडोल जिले के युवा खेल के क्षेत्र में ज्यादा रुचि रखते हैं और अन्य राज्यों से आए खिलाड़ी शहडोल के खिलाड़ियों को कुछ लिए बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष श्री आर. एस. मिश्रा ने बताया कि चेस फॉर एवरीवन ओपन इंटरनेशनल रेटिंग टूर्नामेंट का आयोजन 2 अप्रैल से 6 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया जा रहा है जिसमें 9 राज्यों से 257 खिलाड़ी सम्मिलित हैं जिसमें शहडोल जिले के 140 खिलाड़ी शामिल है। इस अवसर पर सहायक संचालक खेल श्री रईस अहमद, जिला शतरंज संघ के सचिव श्री विकास खरिया, श्री संजीव गुप्ता, अमरजीत बग्गा, श्री मनीष सोनी सहित शतरंज खिलाड़ी उपस्थित थे।

डीपीआरओ ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत किए जा रहे साफ सफाई कार्यो का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर द्वारा अपनी रायबरेली रमणीय-रायबरेली स्वच्छता

पखवाड़ा कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु विकास खण्ड अन्तर्गत तैनात सफाई कर्मचारियों की टीम लगाकर साफ-सफाई का कार्य कराये जाने के निर्देश दिये गये थे। जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्य शील सिंह ने बताया कि उक्त निर्देशों के क्रम में 17 मार्च से 31 मार्च, 2025 तक वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें जनपद की 270 ग्राम पंचायतों के 410 राजस्व ग्रामों में साफ-सफाई सम्बन्धित 5280 स्थलों की साफ-सफाई का कार्य करा लिया गया है। नवरात्रि एवं ईद के उपलक्ष्य में धार्मिक स्थलों की सफाई का कार्य कराया गया है साथ ही रोस्टर के अनुसार अनुपस्थित पाए गये 21 कर्मचारियों के निलम्बन, वेतन बाधित एवं कारण बताओ नोटिस निर्गत करने की कार्यवाही की गयी। उक्त के अतिरिक्त मिशन निदेशक महोदय स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा संचारी रोग नियन्त्रण अभियान (01 से 30 अप्रैल, 2025) एवं दस्तक अभियान का प्रथम चरण (10 से 30 अप्रैल, 2025 तक) का जनपद के समस्त 18 विकास खण्डो में चलाते हुए संचालित की गयी सभी गतिविधियों को संचालित किये जाने के निर्देश दिये गये हैं, जिसके क्रम में स्थलवार रोस्टर तैयार कर साफ-सफाई का कार्य कराया जा रहा है। जिसके क्रास वेरीफिकेशन हेतु अन्य विकास खण्ड के सहायक विकास अधिकारी (पं0) को नामित किया गया है एवं जनपद स्तर से दूरभाष के माध्यम से निगरानी हेतु कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है तथा स्थलीय निरीक्षण हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी के साथ-साथ जिला सलाहकार द्वारा भ्रमण करते हुए रेण्डम आधार पर सत्यापन का कार्य किया जाना है। जिसके क्रम में आज जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्य शील सिंह, जिला सलाहकार प्रेरित कटियार द्वारा विकास खण्ड राही की ग्राम पंचायत भदोखर एवं कनौली में लगी सफाई कर्मचारियों की टीमों का स्थलीय निरीक्षण किया गया, जिसमें ग्राम पंचायत भदोखर में साफ-सफाई हेतु लगी टीम में दिलबहादुर बिना किसी सूचना के अनुपस्थित पाए गए। जिस पर जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा सम्बन्धित कर्मचारी का आज का वेतन बाधित करते हुए बिना किसी सूचना के कार्य क्षेत्र से अनुपस्थित रहने के सम्बन्ध में कारण बताओ नोटिस निर्गत कर 03 दिवस के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत किये जाने के निर्देश दिये गये।

डीएम ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देशानुसार जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षिता माथुर ने कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का मासिक वाह्य निरीक्षण राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयर हाउस की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा, लाग बुक, सीसीटीवी कैमरा आदि के बारे में जानकारी ली गई। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विशेष संचारी रोग अभियान के तहत ग्राम पंचायत के लोगों को साफ सफाई हेतु किया जा रहा जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत विकासखंड राही की ग्राम पंचायत लोधवारी के मजरे पूरे दुबे व ग्राम पंचायत खागीपुर सड़वा के मजरे पूरे हमरू में चल रहे साफ सफाई कार्यो का निरीक्षण बीडीओ राही गौरी राठौर के द्वारा किया गया। निरीक्षण के समय ग्राम प्रधान व सचिव उपस्थित रहे। ग्राम पंचायत के लोगों को साफ सफाई हेतु प्रेरित किया गया एवं दस्तक व संचारी रोग अभियान के संबंध में जानकारी दी गई।

धार्मिक स्थलों के पास शराब के ठेकों के खिलाफ युवा क्रांति सेना ने उठाई आवाज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा आज धार्मिक स्थलों के निकट शराब के ठेकों के आवंटन के विरोध में युवा क्रांति सेना ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। संगठन के अध्यक्ष अविनाश सिंह के नेतृत्व में स्थानीय नागरिकों का एक प्रतिनिधिमंडल नोएडा के डीसीपी रामबदन सिंह से मिला और इस विषय पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि सेक्टर-9 स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर एवं मस्जिद के 100 मीटर के दायरे में और सेक्टर-7 के प्राचीन मंदिर से मात्र 50 मीटर की दूरी पर शराब के ठेकों का संचालन हो रहा है। यह धार्मिक आस्थाओं का अपमान है और सार्वजनिक शांति भंग होने की आशंका को जन्म देता है। युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने कहा कि धार्मिक स्थलों के पास शराब के ठेके होना न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक

मूल्यों के खिलाफ है, बल्कि इससे कानून-व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है। यह स्थिति आम जनता की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के साथ-साथ क्षेत्र में अपराध और असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा दे सकती है। प्रशासन को तत्काल इन ठेकों को हटाने के आदेश देने चाहिए। यदि हमारी मांग पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो हम स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। डीसीपी रामबदन सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस विषय पर संबंधित विभाग से चर्चा कर जल्द समाधान निकाला जाएगा। इस अवसर पर बाबू प्रधान, आकाश शर्मा, रोहित ठाकुर, किशोर शर्मा, कालीचरण प्रजापति, अजय कुमार, अरिहंत जैन, दिनेश आदि मौजूद थे।

निर्माण श्रमिकों के पंजीयन, नवीनीकरण व योजनाओं के हितलाभ के लिये कैम्प का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। सहायक श्रमायुक्त, आर0एल0 स्वर्णकार ने बताया है कि सचिव, उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा निर्माण श्रमिकों के पंजीयन, नवीनीकरण एवं योजनाओं के हितलाभ वितरण के संबंध मे निर्देशित किया गया है कि जनपद के सभी लेबर अड्डो, ब्लाक, तहसील, नगर पालिका, नगर पंचायत, एवं जिला मुख्यालय स्तर पर व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार हेतु 01 से 30 अप्रैल 2025 तक कैम्प का आयोजन किया जाए। जिसके क्रम में 02 अप्रैल को तहसील महराजगंज ब्लॉक बछरावां में कैम्प का आयोजन किया गया। इसी प्रकार 05 अप्रैल को तहसील लालगंज ब्लाक सरेनी में कैम्प का आयोजन किया जायेगा। 07 अप्रैल को तहसील सदर, सारस होटल लेबर अड्डा पर कैम्प का आयोजन किया जायेगा। 09 अप्रैल को तहसील सलोन में, 11 अप्रैल को तहसील महराजगंज में, 15 अप्रैल को तहसील सदर, 19 अप्रैल को तहसील ऊँचाहार में, 21 अप्रैल को तहसील डलमऊ में, 23 अप्रैल को तहसील लालगंज एवं 25 अप्रैल को तहसील सदर, राजघाट लेबर अड्डा पर कैम्प का आयोजन किया जायेगा। सहायक श्रमायुक्त ने कैम्प प्रभारी श्रम प्रवर्तन अधिकारियों को निर्देश दिये है कि आयोजित कैम्पों मे श्रमिकों का पंजीयन, नवीनीकरण, योजनाओं के प्रचार प्रसार, प्रधानमंत्री श्रम योगी मान धन योजना, एन0पी0एस0 ट्रेडर्स, ई-श्रम पोर्टल पर असंगठित कर्मकारों का रजिस्ट्रेशन एवं प्रचार प्रसार कराना सुनिश्चित करें। जनपद में कार्यरत ट्रेड यूनियन, सामाजिक संगठनों एवं निर्माण एवं योजनाओं के संचालन से सम्बन्धित विभागों, निर्माण श्रमिकों को सम्मिलित किया जाये। सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए ग्राम विकास अधिकारियों, ग्राम स्तर पर पंचायत मित्र एवं प्रधानों से सम्पर्क स्थापित कर अधिक से अधिक श्रमिकों का नवीनीकरण, पंजीयन आदि कराया जाना सुनिश्चित करें। समस्त कैम्प प्रभारी श्रम प्रवर्तन अधिकारी आयोजित कैंप से सम्बन्धित सूचना, फोटोग्राफ व्हाटसअप ग्रुप में अपलोड करना सुनिश्चित करें।

बॉलीवुड/टेली मसाला

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के लिए जमकर मेहनत कर रहीं स्मृति ईरानी, क्या अमर उपाध्याय संग फिर जमेगी जोड़ी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। क्योंकि सास भी कभी बहू थी' सीरियल की जल्द ही वापसी होने जा रही है। इस शो में टीम इस प्रोजेक्ट को तेजी से आगे बढ़ा रही है, लेकिन अभी शो को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि शो लिए खास मेहनत कर रही हैं। फैंस के बीच इस खबर से पुरानी यादें ताजा हो गई हैं। एकता कपूर जून 2025 में इस शो की आधिकारिक

स्मृति ईरानी एक बार फिर से अमर उपाध्याय के साथ नजर आएंगीछोटो पर्दे के दर्शकों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। मशहूर शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' फिर से स्क्रीन पर लौटने जा रहा है। प्रोड्यूसर एकता कपूर इस बार शो को स्मृति ईरानी और अमर उपाध्याय के साथ दोबारा शुरू करने की योजना बना रही हैं। फैंस के लिए यह खबर किसी तोहफे से कम नहीं है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह शो एक सीमित सीरीज के तौर पर तैयार हो रहा है। एकता कपूर और उनकी के निर्माता हर डिटेल को गोपनीय रखने की कोशिश कर रहे हैं। खबर यह भी है कि स्मृति ईरानी अपने पुराने किरदार 'तुलसी' के जरिए शो में नजर आने वाली हैं। शो की शुरुआत उसी मशहूर सीन से होगी, जिसमें तुलसी अपने परिवार को रूबरू करवाती हैं। इसे उसी पुराने लोकेशन पर फिल्माया जाएगा रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि अमर उपाध्याय ने अपने चल रहे शो 'डोरे' को इसी वजह से जल्दी छोड़ दिया। दूसरी ओर, महिला एवं बाल विकास मंत्री रह चुकी हैं स्मृति ईरानी इस शो के घोषणा कर सकती हैं।'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' पहली बार साल 2000 में शुरू हुआ था। गुजरात की पृष्ठभूमि पर बनी यह कहानी तुलसी नाम की एक आदर्श बहू के इर्द-गिर्द घूमती है। तुलसी की शादी एक अमीर बिजनेसमैन के पोते मिहिर विरानी से होती है। दोनों मिलकर अपने जीवन की चुनौतियों का सामना करते हैं। यह शो 8 साल तक चला और इसने स्मृति ईरानी को रातोंरात स्टार बना दिया। हर घर में उनकी पहचान 'तुलसी' के नाम से होने लगी।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ डिनर से की सुहाना ने वीकेंड की शुरूआत, साथ में दिखी ये बेस्टफ्रेंड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बी-टाउन की कई ऐसी जोड़ियां हैं, जिन्होंने अभी तक अपने रिश्ते को कंफर्म नहीं किया है, अकाउंट से शेयर किया गया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि सुहाना खान और नव्या नवेली नंदा मुंबई में एक रेस्टोरेंट से डिनर का फिर सुहाना और अगस्त्य के बीच चल रहीं अफेयर की खबरों को लाइमलाइट मिल गई। पिछले काफी वक्त से सुहाना और अगस्त्य के

लेकिन उन्हें अक्सर साथ में देखा जाता है। जिसके बाद उनके अफेयर की चर्चाएं जोर पकड़ती रहती हैं। ऐसा ही एक कपल है सुहाना खान और अगस्त्य नंदा। अब एक बार फिर दोनों के साथ में देखे जाने की चर्चाएं हैं।सुपरस्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान और अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा आपस में काफी अच्छी बॉन्डिंग शेयर करती हैं। दोनों एक-दूसरे की बेस्ट फ्रेंड हैं और कई मौकों पर एकसाथ देखी जाती हैं। वहीं नव्या के भाई अगस्त्य नंदा और सुहाना खान के अफेयर की चर्चाएं भी अक्सर बी टाउन का हॉट टॉपिक रहती हैं। अब एक फिर अगस्त्य, सुहाना और नव्या ने एक साथ अपने वीकेंड की शुरूआत की है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसे विरल भियानी के इंस्टाग्राम लुत्फ उठाकर बाहर निकल रही हैं। दोनों एक साथ ही एक गाड़ी से वापस जाते दिख रही हैं। वीडियो 4 अप्रैल की रात का है। जिससे जाहिर है कि इन बेस्टी ने अपने वीकेंड की शुरूआत एकसाथ लजीज खाने का लुत्फ उठाकर की है। हालांकि, दावा ऐसा भी किया जा रहा है कि सुहाना और नव्या के साथ सुहाना खान के कथित बॉयफ्रेंड और नव्या के भाई अगस्त्य नंदा और उनके पिता निखिल नंदा भी थे। वायरल वीडियो में सुहाना और नव्या काले कपड़ों में नजर आ रही हैं। रेस्टोरेंट से बाहर निकलते वक्त और अपनी गाड़ी में जाते हुए, दोनों पैपराजी से खुद को बचाते भी दिखीं। हालांकि, दोनों कैमरे में कैद हो गईं। लेकिन इसके बाद अगस्त्य नंदा और उनके पिता को भी उसी रेस्टोरेंट से बाहर निकलते देखा गया है। जिसके बाद एक बार बीच अफेयर की चर्चाएं चल रही हैं। दोनों को अक्सर एकसाथ देखा भी जाता है। कई मौकों पर दोनों एकसाथ एंजॉय करते पैपराजी के कैमरों में भी कैद हुए हैं। जिसके बाद दोनों के अफेयर की खबरें और भी तेज हो जाती हैं। अब एक बार फिर दोनों के एकसाथ डिनर करने की खबरों के बाद दोनों के अफेयर की रूमर्स को फिर हवा मिल गई है। अगस्त्य और सुहाना ने बॉलीवुड में अपना एक्टिंग डेब्यू एकसाथ जोया अख्तर की फिल्म 'आर्चीज' से किया था। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई ये फिल्म साल 2023 में आई थी। हालांकि, फिल्म को उतनी प्रशंसा नहीं मिली, जितनी उम्मीद की जा रही थी। फिल्म में एकसाथ कई स्टारकिड्स ने डेब्यू किया था। जिनमें सुहाना और अगस्त्य के अलावा जान्हवी कपूर की बहन और श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर भी शामिल हैं।

निधन से पहले 12 फिल्में साइन कर चुकी थीं दिव्या भारती, श्रीदेवी समेत इन एक्ट्रेसेस ने की पूरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 90 के दशक की बेहद खूबसूरत और प्रतिभा से भरी

अभिनेत्री दिव्या भारती की आज पुण्यतिथि (5 अप्रैल 1993) है। इस मौके पर जानिए, अचानक दिव्या भारती के गुजर जाने के बाद किन अभिनेत्रियों ने उनको फिल्मों में रिप्लेस किया। दिव्या भारती ने कुछ ही फिल्में करके बॉलीवुड में अपने लिए एक अलग और खास जगह बना ली थी। लेकिन 19 साल की उम्र में दिव्या का निधन हो गया, बालकनी से गिरने के कारण उनकी मौत हुई। जब दिव्या का निधन हुआ तो वह कई फिल्मों का हिस्सा थीं। ऐसे में दिव्या के गुजर जाने के बाद किन अभिनेत्रियों ने दिव्या को उन फिल्मों में रिप्लेस किया, जानिए। दिव्या भारती ने एक फिल्म 'धनवान(1993)' साइन की थी लेकिन दिव्या के गुजर जाने के बाद करिश्मा कपूर ने उनकी जगह ली। फिल्म में करिश्मा कपूर ने अंजलि चोपड़ा नाम की लड़की का रोल किया था। करिश्मा को इस किरदार में दर्शकों ने काफी पसंद किया। फिल्म 'लाडला(1994)' की शुरुआती शूटिंग तो दिव्या भारती कर चुकी थीं। लेकिन दिव्या भारती के गुजर जाने के बाद श्रीदेवी को फिल्म में साइन किया गया। इस फिल्म में श्रीदेवी की एक्टिंग, स्टाइल, ब्यूटी देखकर दर्शक दीवाने ही हो गए। रवीना टंडन फिल्म 'मोहरा(1994)' में 'तू चीज बड़ी है मस्त-मस्तष्ठ.' गाने पर डांस करके रवीना टंडन काफी मशहूर हुईं। इस फिल्म में उन्होंने रोमा का किरदार निभाया था, जिसे पहले दिव्या भारती निभाने वाली थीं। फिल्म 'दिलवाले' में भी रवीना ने दिव्या भारती की जगह ली।

मेगा बॉक्स ऑफिस क्लैश पर भी चादर ताने सो रहे ऋतिक के फैंस, बोले- 'वॉर 2 पहले ही ब्लॉकबस्टर है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इस साल अगस्त में बॉक्स ऑफिस पर 'वॉर 2' और 'कुली' के बीच महामुकाबला होने जा रहा है। दोनों फिल्में एक ही ऑफिस के इस महामुकाबले पर नेटिजन्स क्या कह रहे हैं 'कुली' और 'वॉर 2' के क्लैश की खबर ने सोशल मीडिया पर कॉलीवुड वर्सेज बॉलीवुड की बहस को छेड़ दिया जानते हैं क्या कह रहे हैं यूजस फिल्म 'वॉर 2' 2019 में आई ऋतिक रोशन, टाइगर श्रॉफ और वाणी कपूर स्टारर 'वॉर' की अगली कड़ी है। 'वॉर 2' में ऋतिक रोशन के

तारीख को रिलीज हो रही हैं। जानते हैं इस पर नेटिजन्स क्या कह रहे हैं?बॉलीवुड के 'ग्रीक गॉड' ऋतिक रोशन की फिल्म का मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'कुली' से होगा। हाल ही में 'कुली' के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट पर अपडेट दिया। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कुली' 14 अगस्त 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसी दिन ऋतिक रोशन की 'वॉर 2' भी रिलीज होगी। इस मेगा क्लैश में कौन सी फिल्म बाजी मारेगी यह तो वक्त ही बताएगा। फिलहाल जान लेते हैं कि बॉक्स है। सुपरस्टार रजनीकांत और ऋतिक रोशन दोनों के ही फैंस की प्रतिक्रिया आ रही है। एक तरफ रजनीकांत के प्रशंसकों का उत्साह चरम पर है। वे थलाइवा की फिल्म के लिए खुशी जता रहे हैं। तो दूसरी तरफ ऋतिक के फैंस भी कम नहीं पड़ रहे। रजनीकांत जैसे सुपरस्टार की फिल्म से मुकाबले के बावजूद ऋतिक के फैंस के चेहरे पर शिकन तक नहीं है। अधिकांश यूजर्स की प्रतिक्रिया सकारात्मक आ रही है और वे आश्वस्त हैं कि वॉर 2 बॉक्स ऑफिस पर बेहतर प्रदर्शन करेगी। कुछ नेटिजन्स ने तो 'वॉर 2' के ब्लॉकबस्टर होने का दावा तक कर दिया है। वहीं, कुछ यूजर्स इस क्लैश को अनावश्यक बता रहे हैं। साथ जूनियर एनटीआर इस बार दो-दो हाथ करते दिखेंगे। इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन और एडवेंचर देखने को मिलेगा। फिल्म के निर्देशन का जिम्मा अयान मुखर्जी ने संभाला है। ऋतिक रोशन के फैंस ने 'वॉर' फिल्म के कलेक्शन का हवाला देते हुए 'वॉर 2' के भी सुपरहिट होने की उम्मीद जताई है। रजनीकांत की फिल्म 'कुली' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। दोनों फिल्मों के क्लैश पर कुछ यूजर्स लिख रहे हैं कि वक्त आने पर ही पता चलेगा, कौन जीता। कुछ यूजर्स अयान मुखर्जी के निर्देशन पर कम भरोसा जता रहे हैं और वे रजनीकांत की 'कुली' के बेहतर प्रदर्शन का दावा कर रहे हैं।

सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में गौरव खन्ना ने कॉपी की रेसिपी, स्विट्जरलैंड के शेफ ने किया रिएक्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टीवी एक्टर गौरव खन्ना 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में एक डेजर्ट रेसिपी बनाकर मुश्किल में फंस गए इस डेजर्ट को देखकर सोशल मीडिया पर रिएक्शन दिया है। शेफ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर गौरव खन्ना की मास्टरशेफ की वीडियो

हैं। उन पर नकल करने का आरोप लग रहा है। जानिए, क्या है ये पूरा मामला। इन दिनों टीवी एक्टर गौरव खन्ना शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में अपने कुकिंग का हुनर दर्शकों को दिखा रहे हैं। हाल ही में उन्होंने शो पर एक स्वीट डिश तैयार की, जिसे देखकर शेफ विकास खन्ना, रणवीर बरार भी हैरान हो गए। गौरव की इस रेसिपी पर नकल का आरोप लगा है। जिस शेफ की यह असल रेसिपी है, उससे भी इस मामले पर रिएक्ट किया है। जानिए, स्विट्जरलैंड के उस शेफ ने क्या कहा? और गौरव के फैंस इस बात पर किस तरह से रिएक्ट कर रहे हैं। हाल ही में गौरव खन्ना ने 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में एक डेजर्ट तैयार किया। इस डेजर्ट को देखकर, इसकी रेसिपी जानकर शो के जज और शेफ विकास खन्ना और रणबीर बरार काफी खुश हुए। दोनों ही शेफ गौरव के टैलेंट के कायल हो गए। लेकिन ये रेसिपी गौरव की अपनी नहीं है। इस रेसिपी को लेकर सोशल मीडिया पर कहा गया कि इस एक स्विट्जरलैंड के शेफ ने बनाया है। स्विट्जरलैंड के शेफ जोशिए रिचें ने भी गौरव की लगाई और उस पर लिखा, 'बहुत ही क्रिएटिव, बहुत खूब।' साथ ही अपनी डेजर्ट रेसिपी वाली वीडियो दोबारा री-पोस्ट की और उस पर लिखा, 'ओरिजनल।' इस तरह से स्विट्जरलैंड के शेफ ने गौरव की डेजर्ट रेसिपी पर रिएक्ट किया। गौरव खन्ना के फैंस जरूर इस मामले में उनका बचाव करते दिखे। स्विट्जरलैंड के शेफ जोशिए रिचें की इंस्टाग्राम पोस्ट पर जाकर कमेंट करते दिखे। गौरव के कई फैंस ने लिखा है कि ये आपकी भी डेजर्ट रेसिपी नहीं है, आपने भी कहीं से इंस्पायर हैं। गौरव खन्ना ने भी आपसे इंस्पायर होकर डेजर्ट तैयार किया होगा, इसमें गलत क्या है? वहीं कुछ लोगों ने स्विट्जरलैंड के शेफ का सपोर्ट किया, कुछ सोशल मीडिया यूजर्स का कहना था कि गौरव को इस शेफ को क्रेडिट देना चाहिए था। गौरव खन्ना के अलावा सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में तेजस्वी प्रकाश, निक्की तंबोली जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं। ये सभी अपनी कुकिंग का हुनर दिखा रहे हैं। विजेता बनने की दौड़ में भी गौरव खन्ना और तेजस्वी सबसे आगे चल रहे हैं।

थप्पड़' फिल्म देखने के बाद क्यों मांगी थी अपनी पूर्व पत्नी से माफी, हंसल मेहता ने किया खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अपनी बेबाक राय रखने के लिए जाने जाने वाले निर्देशक हंसल मेहता ने 'थप्पड़' फिल्म देखने के बाद आखिर क्यों अपने जीवन की सभी महिलाओं से सॉरी बोला था और उन्हें खुद को थप्पड़ मारने के लिए कहा था। जानिए निर्देशक ने इस बारे में क्या बताया।बॉलीवुड निर्देशक हंसल मेहता अपनी शानदार फिल्मों के सब कहने के लिए मजबूर किया था। जो शायद मैं वैसे कभी नहीं कह पाता। मैं अपनी पूर्व पत्नी से वैसे कभी माफी नहीं मांगता, लेकिन वहां पर ऐसा था। ये फिल्म बहुत शक्तिशाली थी और अच्छी फिल्में ऐसा करती हैं।ङ्ग हालांकि, हंसल मेहता ने आगे यह भी कहा कि उन्हें इस ब्लॉग के लिखने के बारे में ज्यादा कुछ याद नहीं। निर्देशक ने कहा, मेरा ब्लॉग या कुछ भी

साथ-साथ अपनी बेबाकी के लिए भी जाने जाते हैं। वो हर मुद्दे पर बड़ी ही बेबाकी से अपनी राय सोशल मीडिया के जरिए रखते हैं। हाल ही में हुई एक बातचीत में हंसल मेहता ने बताया कि क्यों उन्होंने तापसी पन्नू की फिल्म 'थप्पड़' देखने के बाद लोगों को सॉरी बोला था इंडियन एक्सप्रेस के साथ बातचीत में हंसल मेहता ने अपने करियर और इंडस्ट्री के अपने अनुभवों को साझा किया। इस दौरान हंसल मेहता ने इस बारे में भी बताया कि उन्होंने अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित फिल्म थप्पड़ को देखने के बाद सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट लिखकर अपनी पूर्व पत्नी और बाकी महिलाओं को सॉरी क्यों बोला था। निर्देशक ने कहा, यह एक अच्छे सिनेमा की शक्ति है। फिल्म ने मुझे सोचने, आत्मचिंतन करने और यह लिखना उस समय के मेरे भावों और विचारों पर निर्भर करता है। इसीलिए मैं इसे कभी एडिट नहीं करना चाहता। जो मैंने लिखा है, बस उसे देखता हूं। इसीलिए आप देखेंगे कि अक्सर ही मेरे ब्लॉग में व्याकरण संबंधी गलतियां भी देखने को मिल जाती हैं।ङ्गजिस ब्लॉग की चर्चा हो रही है, उस ब्लॉग में हंसल मेहता ने 'थप्पड़' फिल्म की तारीफ करते हुए लोगों से उसे देखने की अपील की थी। अपने ब्लॉग के अंत में उन्होंने लिखा था, मेरे जीवन की सभी महिलाओं के लिए। मेरी पत्नी, मेरी मां, मेरी बहन, मेरी बेटियां, मेरी पूर्व पत्नी, मेरी गर्लफ्रेंड और उन सभी के लिए जो मेरे सोशल कंडिशनिंग के अंतर्गत आती हैं। मुझे पता है कि देर हो चुकी है, लेकिन कभी नहीं कहने से तो देर से कहना ही बेहतर है।

मनोज कुमार से इरफान खान तक, गंभीर बीमारियों के चलते दुनिया को अलविदा कह गए ये सितारे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बीते दिन बॉलीवुड इंडस्ट्री के 'भारत कुमार' से मशहूर दिग्गज अभिनेता और निर्देशक

मनोज कुमार का निधन हो गया। अभिनेता का निधन लंबी बीमारी के बाद हुआ। आज जानेंगे उन दिग्गज कलाकारों के बारे में, जिनका निधन किसी गंभीर बीमारी के चलते हुआ।सिनेमाई दुनिया में मनोज कुमार का जाना दुनिया को स्तब्ध कर गया। जीवन के अंतिम समय में अभिनेता लीवर सिरोसिस बीमारी से पीड़ित थे, जिस कारण गंभीर ह्रदयाघात से उनका निधन हो गया। आज जानेंग बॉलीवुड इंडस्ट्री के उन दिग्गज कलाकारों के बारे में, जो अपने अंतिम समय में गंभीर बीमारी से पीड़ित थे फिर उनका निधन हो गय बॉलीवुड ही नहीं हॉलीवुड में भी अपने अभिनय की जादूगरी के लिए जाने जाते थे इरफान खान। 54 की उम्र में अभिनेता अपनी जिंदगी की लड़ाई हार गए और इस दुनिया को अलविदा कह गए। लंबे समय से अभिनेता न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर से पीड़ित थे, फिर 29 अप्रैल 2020 को बीमारी के चलते उनका निधन हो गया। बॉलीवुड के दिग्गज कलाकारों में शुमार अभिनेता ऋषि कपूर भी किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। अभिनेता साल 2018 से ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर) से पीड़ित थे। निधन से पहले 11 महीने तक अमेरिका में उनका इलाज चला था। फिर भारत लौटने के बाद 30 अप्रैल 2020 को अभिनेता का 67 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। बॉलीवुड के पहले सुपरस्टार माने जाने वाला अभिनेता राजेश खन्ना की दीवानगी उनके फैंस में बहुत थी। अभिनेता ने अपने करियर में शानदार फिल्में कीं। अभिनेता अपने जीवन के अंतिम दौर में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। अभिनेता ने 18 जुलाई 2012 को 69 वर्ष की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया था। बॉलीवुड की ट्रेजडी क्वीन से विख्यात अभिनेत्री मीना कुमारी ने आखिरी फिल्म 'पाकीजा' की थी, जिसे बनाने में 16 साल लग गए थे और खूब नाम कमाया था। अभिनेत्री का 39 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था, इस खबर ने सबको चौंका दिया था। आपको बताते चलें कि अभिनेत्री लीवर सिरोसिस बीमारी से पीड़ित थी, इसी कारण उनका निधन हुआ था पूरी दुनिया में अपने अभिनय की जादूगरी बिखरने वाले अभिनेता विनोद खन्ना का 70 की उम्र में निधन हो गया था। अभिनेता को ब्लड कैंसर था, जो उनके निधन का कारण बना।

तलाक के बाद अब खतरों से खेलती नजर आएंगी धनश्री वर्मा, इस रियलिटी शो का बनेंगी हिस्सा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। तलाक के बाद धनश्री वर्मा अब रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में हिस्सा लेने जा रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार शो के निर्माताओं ने उन्हें नए सीजन के लिए संपर्क किया है।धनश्री वर्मा का नाम इन दिनों चर्चा में बना हुआ है। क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से तलाक के बाद अब खबरें आ रही हैं कि वह रोहित शेट्टी के रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में हिस्सा ले सकती हैं। 'आइडब्ल्यूएम बज' की एक रिपोर्ट के मुताबिक शो के मेकर्स ने धनश्री से संपर्क किया है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो वह इस शो की प्रतियोगी बन सकती हैं। हालांकि, धनश्री की ओर से अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। धनश्री पहले भी रियलिटी शो का हिस्सा रह चुकी हैं। साल 2023 में उन्होंने 'झलक दिखला जा 11' में अपने डांस का हुनर दिखाया था। उस दौरान युजवेंद्र चहल भी शो पर पहुंचे थे और उन्होंने उनका हौसला बढ़ाया था, लेकिन अब दोनों के रास्ते अलग हो चुके हैं। धनश्री और चहल की शादी 2020 में हुई थी। 18 महीने तक अलग रहने के बाद 20 मार्च 2025 को दोनों का तलाक हो गया। चहल के वकील नितिन कुमार गुप्ता ने एएनआई को जानकारी दी कि कोर्ट ने तलाक की मंजूरी दे दी है। अब वे दोनों पति-पत्नी नहीं रहे।

स्वात्वाधिसकसार एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सस्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0-09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र मे प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हंतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।